Yash college of Education, Rurkee (Rohtak)

School list for B.Ed School Internship programme 2016-18

B.Ed 2nd Year

Sr. No.	School Name	Roll No.	Total students	Teacher Incharge
1	D.R.M. Sr. Sec. School, Rurkee	1701, 02, 03, 04, 05, 06, 07, 08, 09, 10, 12, 13, 14, 15, 16, 17, 18, 19, 20, 21	20	Ms. Nisha
2	CSM High School, Mungan	1722, 24, 25, 26, 27, 28, 29, 31, 32, 33, 35, 36, 37, 38, 39, 40, 41, 42, 44, 46,	20	Ms. Pinki
3	Baba Nagar Das Sr. Sec. School, Kiloi	1747, 48, 50, 52, 53, 54, 55, 57, 58, 59, 60, 62, 63, 64, 67, 68, 69, 70, 71, 72, 74	21	Ms. Monika
4	H.R. M. Sr. Sec. School, Kiloi	1775, 76, 77, 78, 79, 80, 81, 82, 83, 84, 85, 86, 87, 88, 89, 90, 91, 93, 94, 95, 96	21	Mr. Ashok

Schedule: 24.11.17 to 15.03.18

Name & Roll No.	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	01	2	3	4
ANJU	P	P		P	P	P	P	P			P	P	P	P	P	P		P	P	P
ANKIT	P	P		P	P	P	P	P			P	P	P	P	P	P		P	P	P
AMIT	P	P		P	P	P	P	P			A	A	P	P	P	P		P	P	P
ANIL	A	A		A	A	A	A	A			P	P	P	P	P	P		P	P	P
ANITA	P	P		P	P	P	P	P			P	P	P	P	P	P		P	P	P
ANJNA	A	A		P	P	P	P	P			P	P	P	P	P	P		P	P	P
AMITA	P	P		P	P	P	P	P			P	P	P	P	P	P		P	P	P
BABITA	P	P		P	P	P	P	P			P	P	P	P	P	P		P	P	P
BEENA	A	A		A	A	A	A	A			P	P	A	A	A	A		P	P	P
CHETNA	P	P		P	P	P	P	P			P	P	P	P	P	P		P	P	P
CHETNA	P	P		A	A	A	A	A			A	P	P	P	P	P		P	P	P
CHIRAG	P	P		P	P	P	P	P			P	P	P	P	P	P		P	P	P
DEEPAK	P	P		P	P	P	P	P			P	P	P	P	P	P		A	A	A
DIPU	P	P		P	P	P	P	P			P	A	P	A	P	A		A	A	A
DEEPIKA	P	P		P	P	P	P	P			P	P	P	P	P	P		A	A	A
GEETA	P	P		P	P	P	P	P			P	P	A	A	A	P		A	A	A
GUNPREET	P	P		P	P	P	P	P			P	A	A	P	P	P		A	A	A
PANKAJ	P	P		A	P	P	P	P			A	A	A	A	P	P		P	P	P
MOHAN	P	P		A	P	P	P	P			P	P	P	P	P	P		P	P	P
RAM	P	P		P	A	P	P	P			A	A	P	P	P	P		P	P	P
SHAYM	P	P		P	P	A	P	P			P	P	A	P	P	P		P	P	P
SUDHIR	P	P		P	P	P	A	A			P	P	P	A	P	P		P	P	P
REENA	P	P		A	P	P	P	P			A	P	P	A	P	P		P	P	P
RAJU	P	P		A	A	P	P	P			A	P	A	P	P	P		A	A	A
JAI	P	P		A	A	A	P	P			P	P	A	P	P	P		P	P	P
DEEP	P	A		P	P	P	P	P			P	P	A	P	P	P		P	P	P

Name & Roll No.	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	1	2
PARVEEN	?	P		P	P	P	P	P	P		A	A	A	P	P	A		A
POONAM	P	P		P	P	P	P	P	A		A	A	A	P	P	P		P
POOJA	P	P		A	P	P	P	P	P		P	P	P	P	A	P		P
SURAJ	P	P		A	P	P	P	P	P		P	P	P	P	P	P		P
SAVITA	P	P		P	A	P	P	P	P		P	P	A	P	P	P		P
SUDHA	P	P		A	A	P	P	P	P		P	P	P	P	P	P		P
SOBHA	P	P		P	P	P	P	P	P		P	P	P	P	P	P		P
NISHA	P	P		A	A	A	P	P	P		P	P	P	P	P	P		P
NISHARANI	P	P		P	P	A	P	P	P		P	P	A	P	P	P		P
AMAR	P	P		P	P	A	P	P	P		P	P	P	P	P	P		P
ARMAN	P	P		A	P	A	A	P	P		P	P	P	P	P	P		P
ZEENAT	P	P		A	A	P	P	A	A		P	P	A	A	A	P		A
TANNU	P	P		P	P	P	P	P	P		A	A	A	A	A	P		A
MANJU	P	P		P	P	P	P	A	P		A	A	A	A	P	P		P
KHUSBOO	P	P		P	A	P	P	P	P		A	A	P	P	P	P		P
RADHA	P	P		P	P	P	P	A	P		A	A	P	P	P	P		P
RAM	P	P		P	P	P	P	P	P		P	P	A	P	P	P		P
MANISH	P	P		P	A	A	P	P	P		A	A	P	P	P	P		P
NEERAJ	P	P		A	P	A	A	P	P		P	P	P	P	P	P		P
SUNIL	P	P		P	P	P	P	P	P		P	P	P	P	P	P		P
SUDHIR	P	P		P	P	P	P	P	P		P	P	P	P	P	P		P
REENA	P	P		A	P	A	P	P	P		P	P	P	P	P	P		P
SEEMA	P	P		P	P	P	P	P	P		P	P	P	P	P	P		P
SOBHA	P	P		P	P	A	P	P	P		P	P	P	P	P	P		P
SUMAN	P	P		P	P	P	P	P	P		P	P	A	A	P	P		P
ANKIT	P	P		P	P	P	P	P	P		P	P	P	P	P	P		P
SANDEEP	P	P		P	P	P	P	P	P		P	P	P	P	P	P		P
SUNIL	P	P		P	P	P	P	P	P		P	P	P	P	P	P		P
RAJESH	P	P		P	P	P	P	P	P		A	A	P	A	P	P		P

Signature of Pupil T

INDEX

Sr. No.	Topic	Date	Pages	Signature of the Supervisor
1)	**Micro Teaching Lessons**			
1.	वचन	8/12/14	1-4	
2.	विराम चिह्न	9/12/14	5-8	
3.	संज्ञा	10/12/14	9-12	
4.	कबीर के दोहे	11/12/14	13-16	
5.	रहीम के दोहे	12/12/14	17-20	
2)	**Mega Lessons**			
1.	निबंध - जनसंख्या वृद्धि	15/1/15	21-26	
2.	कबीर की साखियाँ	17/1/15	27-32	
3.	समास	19/1/15	33-38	
4.	कविता - कोशिश करने वालों की	21/1/15	39-44	
5.	वाच्य	23/1/15	45-50	
3)	**Discussion Lesson-I**			
	वर्ण व्यवस्था	4/2/15	57-64	
4)	**School Teaching Practice Lessons**			
1.	शब्द रचना	13/2/15	65-70	
2.	विराम चिह्न	14/2/15	71-75	
3.	मिठाई वाला	16/2/15	76-81	
4.	संज्ञा और सर्वनाम	18/2/15	82-87	
5.	मुहावरें व लोकोक्तियां	19/2/15	88-94	
6.	अवधपुरी में राम	21/2/15	95-100	
7.	विशेषण	23/2/15	101-105	
8.	काल व उसके भेद	24/2/15	107-112	
9.	कारक - उसके भेद	25/2/15	113-118	
10.	क्रिया	26/2/15	119-124	
11.	शुल्क माफी हेतु प्रार्थना पत्र	27/2/15	125-130	
12.	संधि - प्रकार	28/2/15	131-136	
13.	वर्तनी विचार	9/3/15	137-142	
14.	रहीम के दोहे	10/3/15	143-148	
15.	चिट्ठियों की अनूठी दुनिया	10/3/15	149-154	
16.	अलंकार	10/3/15	155-160	
17.	समश्रुति भिन्नार्थी शब्द	10/3/15	161-166	
18.	समानार्थी शब्द	11/3/15	167-171	
19.	निबंध - दीपावली	11/3/15	172-176	
20.	स्वास्थ्य अधिकारी को पत्र		177-182	
5)	**Discussion Lesson-II**			
	सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला	3/3/15	184-191	
6)	**Observation Lessons**		192-197	
7)	**School Report**			

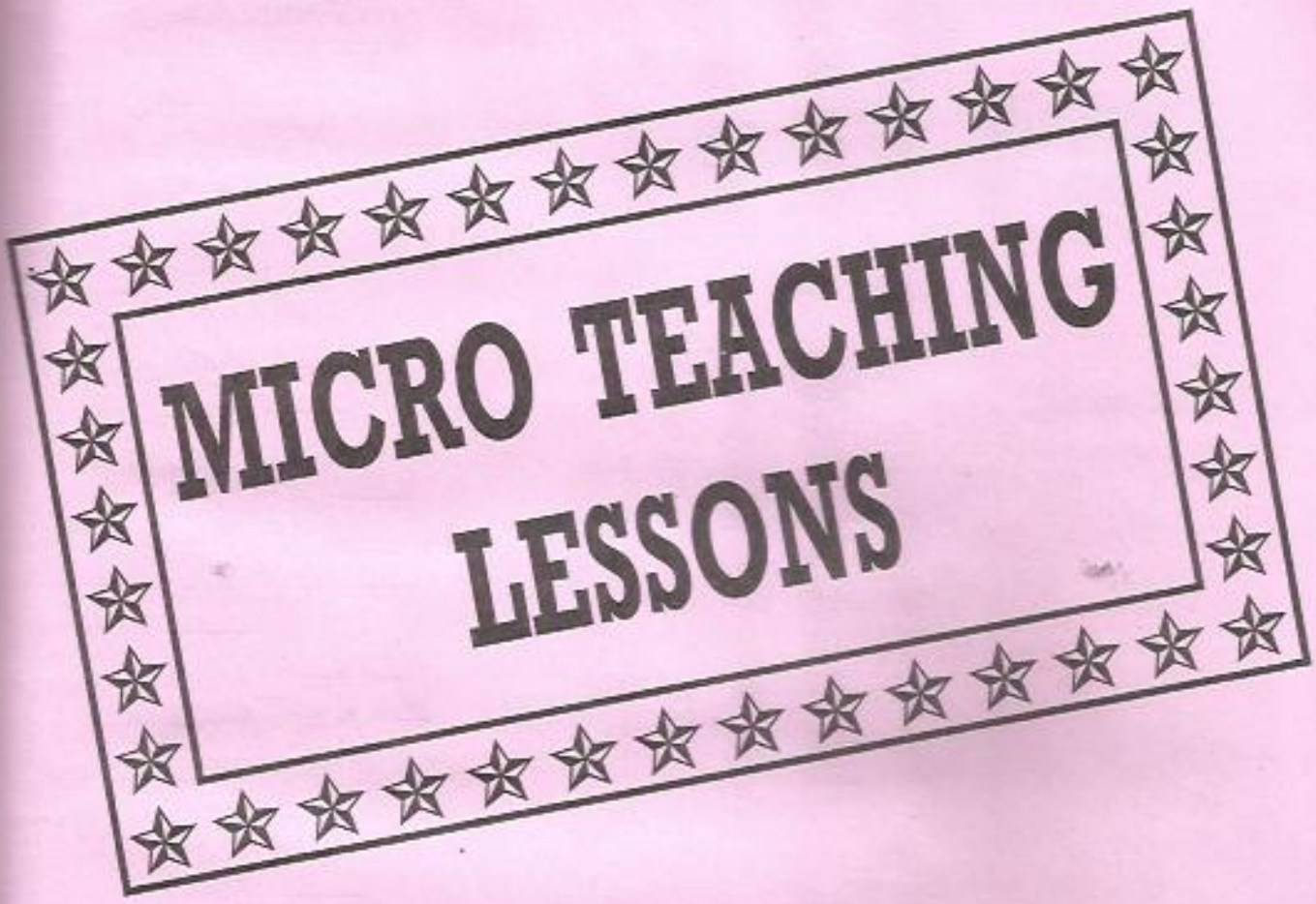
MICRO TEACHING
LESSONS

LESSON No. 1

Date 8/2/14 | Duration of the period 6 मिनट

Pupil Teacher's Name सरोज लकवाड़ | Pupil Teacher's Roll No. 1425

Class 7 | Average Age of the pupils 12

Subject हिन्दी शिक्षण | Topic विराम चिह्न

उद्दीपन कौशल

छात्राअध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
पूर्ण विराम :- " सामान्य कथन वाले सभी प्रकार के वाक्यों अर्थात सरल, संयुक्त और मिस्त्र वाक्यों के अंत में पूर्ण विराम लगाया जाता है।"	
पूर्ण विराम चिह्न का संकेत:-	
पूर्ण विराम चिह्न के लिए 'I' का प्रयोग किया जाता है।	
प्रश्न :- पूर्ण विराम किसे कहते हैं?	उत्तर- सामान्य कथन वाले वाक्यों के के अन्त में प्रयोग होने वाले विराम चिह्न को पूर्ण विराम कहते है।
बिल्कुल सही----!	

छात्रा अध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
प्रश्न :- पूर्ण विराम चिहृन का क्या संकेत है?	पूर्ण विराम चिहृन का संकेत (।) है।
अर्द्ध विराम :- " पूर्ण विराम से कम देर तक रुकने के लिए अर्द्ध विराम का प्रयोग होता है।"	बच्चे अल्प विराम का उद देते हुए —
प्रश्न - अच्छा बच्चो--! अल्प विराम का उदाहरण दीजिए।	"परिश्रम ही जीवन है, आल मृत्यु है।"
अल्प विराम - "अल्प विराम का प्रयोग वाक्यों को अलग करने के लिए किया जाता है। जैसे - राम, श्याम और कमल एक कक्षा में पढ़ते है	राम, श्याम और कमल मित्र इस वाक्य में अल्पविराम रा श्याम के मध्य है।
प्रश्न - राम, श्याम और कमल मित्रहैके बीच विराम चिहृन बताएँ?	राम, श्याम = , (अल्प वि
प्रश्नवाचक :- इन वाक्यों के अन्त में प्रश्न सूचक चिहृन का प्रयोग किया जाता है।	नहीं, इस वाक्य में (?) चिहृन का प्रयोग होना था।

छात्रा अध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
प्रश्न- तुम्हारा नाम क्या है। इस वाक्य में लगा चिह्न सही है--!	नहीं, इस वाक्य में (?) चिह्न का प्रयोग होना था।
विस्मयादि सूचक चिह्न:- हर्ष, शोक, दुख, घृणा आदि भावों को प्रकट करने के लिए विस्मयादि सूचक चिह्न का प्रयोग करते है।	
प्रश्न- विस्मय सूचक चिह्न का क्या संकेत है?	उत्तर- विस्मय सूचक (!) यह है।
प्रश्न:- अच्छा बच्चो! विस्मयसूचक का उदाहरण दीजिए।	हाय ! राम-----। ओह ! ठण्ड-----।
अवतरण चिह्न:- किसी कविता के शीर्षक कवि के नाम या किसी के द्वारा कही गई बात को ज्यों का त्यों लिखने के लिए प्रयोग किए जाने वाले शब्द अवतरण चिह्न कहते है।	अवतरण चिह्न का संकेत [' '] होता है।
जैसे - 'अनेकता में एकता है।'	
प्रश्न - सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला में निराला शब्द कैसे लिखा जाएगा?	सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' लिखा जाएगा।

क्रम संख्या	घटक	रेंटिंग
1.	शरीर संचालन	0, 1, 2, 3. 4, 5
2.	हाव - भाव	0, 1, 2, 3, 4, 5
3.	आवाज़ का उतार - चढाव	0, 1, 2, 3, 4, 5
4.	भाव केन्द्रिकरण	0, 1, 2, 3, 4, 5
5.	विराम प्रयोग	0, 1, 2, 3, 4, 5
6.	छात्र - शिक्षक अतः क्रिया	0, 1, 2, 3, 4, 5
7.	दृश्य - श्रव्य क्रम परिवर्तन	0, 1, 2, 3, 4, 5

गोपाल 4/20

LESSON No. ...2.....

Date 9/12/14 | Duration of the period 35 मिनट
Pupil Teacher's Name सरोज लकवाड़ | Pupil Teacher's Roll No. 1425
Class छठी | Average Age of the pupils 11
Subject हिन्दी शिक्षण | Topic वचन

उदाहरण कौशल

छा० अध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
वचन:— "शब्द के जिस रूप से संख्या का पता चलता है उसे वचन कहते है।"	छात्र वचन को समझते हुए वचन के उदाहरण देंगे।
जैसे :- एक, दो, चार, पाँच आदि अच्छा बच्चो! वचन का कोई उदाहरण बताओ।	रात-रातें, नदी- नदियाँ आदि।
उदाहरण -① पंजाब में पाँच नदियाँ बहती है ② बाजार में कपड़ो की दुकाने है।	
इन वाक्यों में नदियाँ और दुकानें क्या है? और क्यो?	इन वाक्यो मे नदियाँ और दुकानें वचन है क्योंकि इससे संख्या तथा वस्तु की एक से अधिकता का आभास हो रहा है।

छा० अध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
वचन दो प्रकार के होते हैं- (क) एकवचन (ख) बहुवचन उदाहरण - इन वाक्यों में एकवचन और बहुवचन कौन से हैं? रवि ने एक पुस्तक खरीदी आज मैंने आठ केले खरीदे	एकवचन - पुस्तक बहुवचन - आठ केले
एकवचन - "शब्द के जिस रूप से एक वस्तु या प्राणी का बोध होता है, उसे एकवचन कहते हैं। जैसे - तितली, गिलहरी, पुस्तक आदि	
उदाहरण - आज रात जल्दी हो गई इस वाक्य में रात क्या है?	इस वाक्य में 'रात' एकवचन है।
अच्छा बच्चो! एकवचन के उदाहरण बताओ।	एकवचन के उदाहरण नदी, दुकान, माता, पुस्तक आदि।

छात्रा अध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
बहुवचन – "शब्द के जिस रूप से एक से अधिक वस्तुओं या प्राणियों का बोध होता है, उसे बहुवचन कहते हैं। जैसे – तितलियाँ, गिलहरियाँ पुस्तकें आदि। उदाहरण – हमारे शहर की सभी दुकानें खुली हैं। कुल पाँच लड़कियाँ स्कूल नहीं आई इन वाक्यों में बहुवचन को पहचानो वचन की उपयोगिता :— वचन के प्रयोग से किसी भी वस्तु या प्राणी की संख्या ज्ञात की जा सकती है कि वह एकवचन है या बहुवचन है।	इन वाक्यों में दुकानें और लड़कियाँ बहुवचन हैं। बच्चे बहुवचन के उदाहरण देंगे— नदियाँ, दुकानें, माताएँ पुस्तकें आदि छात्र उदाहरणों के माध्यम से वचन के महत्व को समझने का प्रयास करेंगे।

छात्रा अध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
बहुत अच्छे --!	
प्रश्न - व्यक्तिवाचक संज्ञा किसे कहते हैं? और एक उदाहरण दीजिए।	जिस संज्ञा से किसी व्यक्ति विशेष का बोध हो उसे व्यक्तिवाचक संज्ञा कहते हैं जैसे - भगत सिंह
प्रश्न - जातिवाचक संज्ञा किसे कहते हैं? उदाहरण दीजिए।	जिस संज्ञा शब्द से किसी वस्तु, प्राणी की जाति का बोध होता है। उसे जातिवाचक संज्ञा कहते हैं। जैसे - हिन्दू, नदी आदि
प्रश्न - जातिवाचक सिंह संज्ञा किसे कहते हैं? उदाहरण दीजिए	"
प्रश्न - जाति वाचक संज्ञा के भेद बताइए?	जातिवाचक संज्ञा के दो भेद होते हैं- ① समूहवाचक संज्ञा ② द्रव्यवाचक संज्ञा

छात्रा अध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
प्रश्न – समूह वाचक संज्ञा किसे कहते हैं? उदाहरण दीजिए।	
	जिस संज्ञा शब्द से समूह का बोध होता है उसे समूहवाचक संज्ञा कहते हैं। जैसे – कक्षा, टीम, परिवार और समुदाय आदि।
शाबाश - - - - - !	
प्रश्न – द्रव्यवाचक संज्ञा किसे कहते हैं?	
	जिस संज्ञा शब्द से किसी द्रव्य का बोध हो, उसे द्रव्यवाचक संज्ञा कहते हैं।
प्रश्न- भाववाचक संज्ञा के उदाहरण दीजिए?	
	भाववाचक संज्ञा के उदाहरण निम्नलिखित हैं – मिठास, बुढापा, गर्मी, सर्दी बचपन, कड़वापन, क्रोध, प्रसन्नता आदि।

क्रम संख्या	घटक	रेटिंग स्केल
1.	प्रस्तावना कथन का प्रयोग	0, 1, 2, 3, 4, 5
2.	प्रश्न व्याकरण की दृष्टि से शुद्ध।	0, 1, 2, 3, 4, 5
3.	उचित विराम एवं गति	0, 1, 2, 3, 4, 5
4.	प्रश्नों का वितरण — ① पूरी कक्षा से ② उत्तर के इच्छुक छात्रों से ③ उत्तर के अनिच्छुक छात्र	0, 1, 2, 3, 4, 5 0, 1, 2, 3, 4, 5 0, 1, 2, 3, 4, 5
⑤	आवाज	0, 1, 2, 3, 4, 5
6.	निम्न क्रम के प्रश्न	0, 1, 2, 3, 4, 5
7.	माध्यम क्रम के प्रश्न	0, 1, 2, 3, 4, 5
8.	उच्च क्रम के प्रश्न	0, 1, 2, 3, 4, 5
9.	निष्कर्षात्मक कथन का प्रयोग	0, 1, 2, 3, 4, 5

LESSON No. 4

Date 11/12/14 | Duration of the period 35 मिनट

Pupil Teacher's Name सरोज लकवाड़ | Pupil Teacher's Roll No. 1425

Class सातवीं | Average Age of the pupils 12

Subject हिन्दी शिक्षण | Topic "कबीर के दोहे"

पुनर्बलन कौशल

छात्रा अध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
"कबीरा संगत साधु की, हरे और की व्याधि असंगत बुरी असाधु की आठो पहर उपाधि!!"	
प्रश्न - संगत का क्या अर्थ है?	उत्तर - संगत से अभिप्राय है साथ या संग रहना।
प्रश्न - यह दोहा कहाँ से लिया गया है?	उत्तर- यह दोहा कबीर की साखी से लिया गया है।
प्रश्न :- कबीर ने किस राह पर चलने की बात कही है?	कबीर ने सत्संगत मे रहने की राह पर चलने को कहा है।

छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
प्रश्न - साधु शब्द किसके लिए प्रयोग किया गया है।	साधु शब्द का प्रयोग सज्जन व्यक्ति के लिए किया गया है।
प्रश्न कबीर ने किसके बारे में बताया ? बिल्कुल सही --!	कबीर ने सच्चे मित्र के बारे में बताया है।
प्रश्न समाज किन लोगों से दूर रहता है?	समाज बुरे लोगों से दूर रहता है।
बहुत अच्छे शाबाश--!	
प्रश्न- असाधु से क्या अभिप्राय है?	असाधु से अभिप्राय है दुर्गुणी व्यक्ति।

छात्रा अध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
प्रश्न - प्रस्तुत दोहा किसका है?	यह दोहा कबीर जी का है।
प्रश्न - व्याधि का क्या अर्थ है?	व्याधि से अभिप्राय है परेशानी।
बहुत अच्छे - - - - !	
प्रश्न आठो पहर से कवि क्या कहना चाहता है?	आठो पहर से अभिप्राय है है हर समय
शाबाश बहुत अच्छा - - - !	

क्रम संख्या	घटक	रेटिंग स्केल
1.	प्रस्तावना कथन का प्रयोग	0, 1, 2, 3, 4, 5
2.	निष्कर्षात्मक कथन का प्रयोग	0, 1, 2, 3, 4, 5
3.	प्रशंसात्मक शब्दों का प्रयोग	0, 1, 2, 3, 4, 5
4.	सकारात्मक कथनों का प्रयोग	0, 1, 2, 3, 4, 5
5.	विद्यार्थी के सुझावों का समर्थन	0, 1, 2, 3, 4, 5
6.	छात्र का उत्साह बढ़ाना	0, 1, 2, 3, 4, 5
7.	हाव भाव	0, 1, 2, 3, 4, 5
8.	सही उत्तर को चॉकबोर्ड पर लिखना	0, 1, 2, 3, 4, 5
9.	पुनर्बलन का छात्रों के लिए प्रयोग	0, 1, 2, 3, 4, 5
10.	पुनर्बलन में प्रयुक्त कथनों में नवीनता	0, 1, 2, 3, 4, 5
	अवांछनीय व्यवहार	
11.	नकारात्मक प्रबलकों का प्रयोग	0, 1, 2, 3, 4, 5
12.	प्रबलकों का सही प्रयोग	0, 1, 2, 3, 4, 5

LESSON No. 5

Date 12/12/14 | Duration of the period 6 मिनट

Pupil Teacher's Name सरोज लकवाड़ | Pupil Teacher's Roll No. 1425

Class VIII | Average Age of the pupils 13+

Subject हिन्दी शिक्षण | Topic रहीम के दोहे

व्याख्या कौशल

छात्रा अध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
"कहि रहीम सम्पति सगे, बनत बहुत बहु रीत। विपत्ति कसौटी जे कसे, तेई सांचे मीत।।	बच्चे उत्तर देंगे
प्रश्न – कसौटी का क्या अर्थ है?	कसौटी का अर्थ परीक्षा होता है।
बहुत अच्छे---!	
संदर्भ – प्रस्तुत पंक्तियाँ रहीमदास द्वारा रचित 'साखी' शीर्षक से ली गई है	
प्रसंग :– प्रस्तुत पंक्तियो में सच्चे मित्र के महत्व को बताया है। सच्चे मित्र व दुर्जन व्यक्तियों पर चर्चा की गई तथा समाज पर इसके प्रभाव	

छात्रा अध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
को दर्शाया गया है।	
व्याख्या :- रहीम ने सच्चे मित्र के सम्बन्ध में बताया गया है कि सम्पत्ति रहने पर तो सब लोग अपने बन जाते हैं परंतु सच्चा मित्र वही होता है जो संकट के समय हमारा साथ दें। संकट के समय में ही अपने व पराए कि पहचान होती है।	
प्रश्न- रहीम ने किसके बारे मे बताया है?	रहीम ने सच्चे मित्र के बारे में बताया है।
इसके विपरित जो लोग सिर्फ सुख सम्पत्ति होने पर हमारा अपना बनने का दिखावा करते हैं संकट के समय उनका अपनत्व ढूँढे नहीं मिलता।	

छात्रा अध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
प्रश्न - संकट किस की पहचान करवाता है?	सच्चे मित्रों की।
अतएव व्यक्ति को सदैव उन लोगों से मित्रता करनी चाहिए जो संकट के समय भी हमारे साथ खड़े हों।	
प्रश्न - रहीम के कस दोहे को कहाँ से लिया गया है?	रहीम के कस दोहे को 'सम्पदा' से लिया गया है।
प्रश्न - रहीम ने किन को सच्चा मित्र बताया है?	जो संकट के समय साथ दें।
प्रश्न- पैसा रहने पर कौन सम्बन्धी बन जाता है?	स्वार्थी लोग पैसा रहने पर संबंधी बन जाते हैं।

क्रम संख्या	घटक	रेटिंग स्केल
1.	संक्षिप्तता	0, 1, 2, 3, 4, 5
2.	सार्थकता	0, 1, 2, 3, 4, 5
3.	स्पष्टता	0, 1, 2, 3, 4, 5
4.	विशिष्टता	0, 1, 2, 3, 4, 5
5.	व्याकरणिक शुद्धता	0, 1, 2, 3, 4, 5
6.	आवाज़ का उतार-चढ़ाव	0, 1, 2, 3, 4, 5
7.	भाव केन्द्रिकरण	0, 1, 2, 3, 4, 5

MEGA TEACHING LESSONS

LESSON No. 1

Date 15/1/15

Duration of the period 35 मिनट

Pupil Teacher's Name सरोज चकवाई

Pupil Teacher's Roll No. 1425

Class आठवीं

Average Age of the pupils 13

Subject हिन्दी शिक्षण

Topic "जनसंख्या वृद्धि" लेख

अनुदेशनात्मक उद्देश्य

I

पाठोपरांत छात्र-

① भारत में व्याप्त विभिन्न समस्यों का ज्ञान प्राप्त कर पाएँगे।

② जनसंख्या के बारे में सामान्य जानकारी प्राप्त कर पाएँगे।

II

① विद्यार्थी जनसंख्या की वृद्धि से होने वाली समस्याओं को जान पाएँगे।

② इस विकट समस्या के बारे में विस्तार से समझ पाएँगे।

III

① इस समस्या के हल के विषय में विभिन्न क्षेत्रों में प्रयोग कर पाएँगे।

② जनसंख्या वृद्धि से होने वाले विभिन्न समस्याओं को हल कर पाएँगे।

IV

① विद्यार्थी जनसंख्या वृद्धि की समस्याओं का विश्लेषण कर पाएँगे।

② जनसंख्या वृद्धि की समस्याओं का मूल्यांकन कर पाएँगे।

सहायक सामग्री :-

(i) सामान्य
- जनसंख्या संबंधी चार्ट।

(ii) विशिष्ट

पूर्वज्ञान परीक्षण

प्रस्तावित प्रश्न	संभावित प्रश्न
① जनसंख्या किसे कहते हैं?	जनसंख्या लोगो की संख्या को कहते हैं।
② जनसंख्या वृद्धि क्या है?	आवश्यकता से अधिक जनसंख्या का होना।
③ क्या जनसंख्या वृद्धि एक समस्या है?	हाँ
④ जनसंख्या वृद्धि समस्या क्यो है?	जनसंख्या वृद्धि से बेरोजगारी भूखमरी जैसी समस्या बढ़ती है।
⑤ बच्चो-! जनसंख्या वृद्धि के घटक/कारण क्या है?	समस्यात्मक प्रश्न

उद्देश्यकथन :-

आओ बच्चो आज हम जनसंख्या वृद्धि के कारणों की चर्चा करेंगे।

प्रस्तुतीकरण

क्र.	शिक्षण बिन्दु	शिक्षण विधि	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र/व्यवहार क्रियाएँ
1.	जनसंख्या वृद्धि की भूमिका	व्याख्या तथा वार्तालाप विधि	भारत की लगातार बढ़ती हुई जनसंख्या एक समस्या के रूप में सामने आने लगी है। जनसंख्या का इस प्रकार दिनों दिन बढ़ना एक भयंकर समस्या है।	प्रश्न ? उत्तर ?
2.	प्राचीन स्थिति	व्याख्या व वार्तालाप	वेदों में दस पुत्रों की कामना की गई है। सावित्री ने अपने लिए सौ भाइयों तथा सौ पुत्रों का वर माँगा था। कौरव भी सौ भाई थे इस प्रकार अतीत और आज में काफी अन्तर हो गया है। समाज की दृष्टि से पुरानी परम्पराओं के अनुसार चलना	प्रश्न — उत्तर —

क्र०संख्या	शिक्षण बिन्दु	शिक्षण विधि	छा० आ० क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	चॉकबोर्ड व
			मनुष्य की प्रगति में बाधा है।		
3.	वर्तमान स्थिति	व्याख्या व वार्तालाप	वर्ष २००१ की जनगणना के अनुसार भारतवर्ष की जनसंख्या एक अरब से अधिक है लेकिन आज २०१८ में भारत की जन-संख्या आवश्यकता से अधिक वृद्धि हो चुकी है।	प्रश्न- वर्तमान समय में भारत की जनसंख्या क्या है? उत्तर- वर्तमान समय में भारत की जनसंख्या १२१ करोड़ के ऊपर है।	
	वर्तमान स्थिति	व्याख्या व वार्तालाप			
	वर्तमान स्थिति	व्याख्या व वार्तालाप	२०११ की जनगणना के अनुसार आज भारत		

शिक्षण बिंदु क्र०	शि० विधि	शि० बिन्दु	छा० अध्यापिका क्रियाएँ	समय
3	व्याख्या व वार्तालाप	वर्तमान स्थिति	की जनसंख्या 121 करोड़ का आंकड़ा पार कर चुकी है।	5 मि० / 3 मि०
4	वार्तालाप विधि	जनसंख्या वृद्धि से समस्याएँ	जनसंख्या वृद्धि सब स्थितियों में ठीक नहीं है। यदि पर्याप्त संसाधन नहीं होते हैं तो जनसंख्या वृद्धि की मुख्य समस्याएँ है — ① भुखमरी ② बेरोजगारी 3. अशिक्षा 4. निम्न जीवन स्तर	5 मि० / 5 मि०
5	वार्तालाप विधि	समस्या का समाधान	जनसंख्या नियंत्रण के निम्न समाधान हो सकते है— ① सबको शिक्षित किया जाए। ② परिवार नियोजन के उपायों को अपनाया जाए। ③ लोगों को जनसंख्या वृद्धि की समस्याओं से जागरूक करें।	

मूल्यांकन

① जनसंख्या वृद्धि क्या है?

② जनसंख्या वृद्धि को कैसे रोका जा सकता है?

③ शिक्षा क्यों आवश्यक है?

गृहकार्य

① जनसंख्या वृद्धि के बारे में विस्तार पूर्वक लिखो।

③

LESSON No. 2

Date 17/1/15

Duration of the period 35 मिनट

Pupil Teacher's Name सरोज चकवड़

Pupil Teacher's Roll No. 1425

Class VI

Average Age of the pupils 11+

Subject हिन्दी शिक्षण

Topic कबीर की साखियाँ

अनुदेशनात्मक उद्देश्य

I

पाठोपरान्त छात्र —

① विद्यार्थी 'कविता' के स्वर प्रवाह तथा भावों के अनुसार साखियो के ज्ञान को प्राप्त कर पाएँगे।

② कविता की सामान्य जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

II

→ ① विद्यार्थी कविता की उपयोगिता समझ पाएँगे।

② विद्यार्थी कविता के प्रति अपनी भावनाओं को सक्रिय कर पाएँगे।

III

① विद्यार्थी सच्चाई व ईमानदारी के महत्व को समझकर उनका प्रयोग कर सकेंगे।

IV

① साखियों का मूल्यांकन कर पाएँगे।

② कविता का संश्लेषण कर पाएँगे।

(i) सामान्य ⇒ चॉक-बोर्ड, झाड़
संकेतिका, पुस्त

(ii) विशिष्ट → चार्ट, मॉडल,
रेडियो - स्लाइ

सहायक सामग्री :- कविता का चार्ट।

पूर्वज्ञान परीक्षण

प्रस्तावित प्रश्न	संभावित उत्तर
(1) बच्चों क्या आपने संत कबीर का नाम सुना है?	हाँ
(2) निर्गुणकारी ईश्वर में विश्वास रखने वाले कवि कौन थे?	कबीर दास जी।
(3) प्राचीनकाल के कवि कौन से है?	तुलसीदास, रहीमदास, कबीर बिहारीलाल आदि।
(4) संत कबीर की रचनाओं को क्या कहते है?	समस्यात्मक प्रश्न

उद्देश्य कथन :- आओ बच्चों आज हम कबीर जी के विषय में जानेंगे व उनकी रचना को पढ़ेंगे।

प्रस्तुतीकरण

शिक्षण बिंदु	शि. विधि	छा. अध्यापिका क्रियाएँ
कबीर संगत साधु की हरे और की व्याधि संगत बुरी असाधु की आठो पहर उपाधि	आदर्श वाचन व वार्तालाप विधि	कबीरदास कहते हैं कि एक सज्जन व्यक्ति अर्थात गुणवान व्यक्ति के साथ रहने से दुर्जन व्यक्ति भी सतकर्म करने लगता है। जो व्यक्ति बुरे कार्य करते हैं वे भी सच्चे, ईमानदार व्यक्तियों के संपर्क में आकर बुरे कर्मों से बचने की कोशिश करते हैं। बुरे कर्मों मे लिप्त व्यक्तियों के संपर्क में रहने पर अच्छा व्यक्ति भी बुरे कार्य करने लगता है। अर्थात बुराई से बुरा होता है

प्रश्न उत्तर

प्रश्न उत्तर

क्र०सं०	शिक्षण बिन्दु	शिक्षण विधि	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	चॉकबोर्ड कार्य
2.	संगति का उदाहरण	प्रदर्शन विधि	अँगुलीमाल डाकू के नाम से प्रसिद्ध वाल्मीकी उल्टा नाम के महत्व को समझे और रामायण की रचना की।		
3.	सम्बन्धित प्रश्न	प्रश्न विधि	अँगुलीमाल डाकू का क्या नाम पडा?	वाल्मीकि रामायण रचयिता।	
4.	कबीरा यह घर प्रेम का खाला घर नाँहि सीस उतारे हाथ करि सौ पैठे घर माहि।	आदर्श वाचन व व्याख्या विधि	कबीरदास में आत्मा और परमात्मा के बीच की खाई को संबंधित साखी के माध्यम से बताया है, कि परमात्मा को प्राप्त करना अर्थात ईश्वर की प्राप्ति सर्वधारण व्यक्ति की नहीं हो सकती क्योंकि यह तो सच्ची		

	शिक्षण बिंदु	शिक्षण विधि	छात्र अध्यापिका क्रियाएँ
	कबीरा यह घर प्रेम का खाला घर नाँहि सीस उतारे हाथ करि सौं बैठे घर माहि।	व्याख्या विधि व्याख्या विधि	साधना का कार्य है। इस प्रेम रूपी घर मे आश्रय पाना सबका कार्य नहीं है कोई भी व्यक्ति इसमें सरलता से प्रवेश नहीं पा सकता। इसमे वही व्यक्ति प्रवेश पा सकता है, जो अपना सर कटवा सकता है, अर्थात् अपने जीवन की परवाह न करे। वही परमात्मा को पा सकता है।
5.	संबंधित प्रश्न	प्रश्न विधि	कबीर ने गुरु की महिमा से ईश्वर प्राप्ति का रास्ता बताया है गया है। ईश्वर प्राप्ति के लिए कबीर जी ने क्या राह बताई है?

प्रश्न

उत्तर

मूल्यांकन :-

① अच्छे व्यक्तियों की संगति क्यों करनी चाहिए।

② अच्छे व्यक्तियों की समाज में सम्मान क्यों मिलता है?

③ आत्मा और परमात्मा का मिलन कैसे संभव है?

गृहकार्य :-

① कबीर की साखी का क्या अर्थ है?

② असाधु शब्द का क्या अर्थ है?

③ अच्छी संगति के परिणाम क्या होते हैं?

LESSON No. 3

Date 19/1/15

Duration of the period 35 मिनट

Pupil Teacher's Name सरोज लक्कड़

Pupil Teacher's Roll No. 1425

Class आठवीं

Average Age of the pupils 13

Subject हिन्दी शिक्षण

Topic व्याकरण-समास

अनुदेशनात्मक उद्देश्य

पाठोपरान्त छात्र —

I

(1) आपस में सम्बन्ध रखने वाले शब्दों के विषय में ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

(2) दो या दो से अधिक पदों के मेल को समझने का ज्ञान प्राप्त करेंगे।

II

(1) विद्यार्थी परस्पर सम्बन्ध रखने वाले शब्दों की जानकारी रख पाएंगे।

(2) छात्र पदों को संक्षिप्त करना या छोटा करना सीख पाएंगे।

III

(1) विद्यार्थी दो या अधिक पदों के आपसी संबंध को समझ पाएंगे।

(2) शब्दों की गम्भीरता के आधार पर सश्लेषण कर पाएंगे।

IV

(1) विद्यार्थी शब्दों का मूल्यांकन कर सकेंगे।

① सामान्य
② विशिष्ट

सहायक सामग्री :- समास के प्रकारो वाला चार्ट।

पूर्वज्ञान परीक्षण

प्रस्तावित प्रश्न	संभावित उत्तर
① क्या शब्दों का आपस में संबंध होता है?	हाँ
② अपनी बात को संक्षिप्त रूप से लिखा जा सकता है?	हाँ
③ परस्पर सम्बन्ध रखने वाले शब्दों को क्या कहते है?	समस्यात्मक प्रश्न

उद्देश्य कथन :-

आओ बच्चों आज हम समास व उसके प्रकार के बारे में पढ़ेंगे।

प्रस्तुतीकरण

	शिक्षण बिंदु	शिक्षण विधि	छात्र अध्यापिका क्रियाएँ	
1.	समास का अर्थ	आगमन विधि	"परस्पर संबंध रखने वाले दो या दो से अधिक शब्दों के मेल को समास कहते हैं।" समास एक प्रकार की शब्द रचना विधि है।	प्रश्न उत्तर
2.	समास के भेद	प्रदर्शन विधि	समास के छः भेद होते हैं- 1. तत्पुरुष समास 2. कर्मधारय समास 3. द्विगु समास 4. बहु-ब्रीहि समास 5. द्वंद्व समास 6. अव्ययीभाव समास	प्रश्न उत्तर
3.	तत्पुरुष समास	व्याख्या विधि	जिस समास में कारण चिह्नों का लोप हो तथा बाद	

क्रम संख्या	शि० बिन्दु	शि० विधि	छा० अध्यापिका क्रियाएँ	छा० क्रियाएँ	चॉकबोर्ड
			का पद प्रधान हो उसे तत्पुरुष समास कहते हैं।		
4.	संबंधित प्रश्न	उदाहरण	जैसे - गगन चुम्बी बच्चो कोई उदाहरण दीजिए	लोकप्रिय लोक में प्रिय	
		प्रश्न-उत्तर विधि			
5.	कर्मधारय समास	व्याख्या विधि	जिस समस्त पद में पूर्व पद तथा उत्तर पद में विशेषण - विशेष्य अथवा उपमेय - उपमान का संबंध हो, वह कर्मधारय समास होता है।	धनहीन - धन से हीन	
6.	द्विगु समास	प्रदर्शन विधि	इस समास का पहला पद संख्यावाचक विशेषण होता है।		

क्र०	शिक्षण बिंदु	शि० विधि	छा०अध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	चॉक बोर्ड कार्य
			यह भी तत्पुरुष का ही एक भेद माना जाता है।	सप्ताह- सात दिनो का समूह	
3.	बहुव्रीहि समास	व्याख्या विधि	जिस समास में ना तो पूर्वपद प्रधान हो और न ही उत्तरपद प्रधान हो अपितु दोनो ही पद गौण हो तथा वे दोनो पद किसी अन्य पद के संबंध में कहते है।	पिताम्बर पीला है जो अम्बर माता-पिता माता और पिता	
4. द्वंद्व समास	द्वंद्व समास	व्याख्या विधि	जिस समास में दोनो पद प्रधान होते है, तथा कोई भी पद गौण नही होता उसे द्वंद्व समास कहते है।	थोड़ा-बहुत थोड़ा या बहुत प्रतिवर्ष प्रत्येक वर्ष	
5.	अव्ययीभाव समास	निगमन विधि	जिस समास में पहला पद प्रधान हो और वह अव्यय होता है, वह अव्ययीभाव समास कहलाता है।	आमरण— मरण तक	

① सामान्य
② विशिष्ट

सहायक सामग्री :- कविता लिखा हुआ चार्ट।

पूर्वज्ञान परीक्षण

प्रस्तावित प्रश्न	संभावित उत्तर
① मेहनत करने से क्या लाभ होता है?	जीवन में सफलता प्राप्त होती है।
② यदि कभी असफलता देखने को मिले तो क्या-क्या करना चाहिए?	असफलता से डरना नहीं चाहिए।
③ इस जीवन में किसको कभी भी हार का मुँह नहीं देखना पड़ता	जो मेहनत करते हैं।
④ क्या आपको मेहनत से संबंधित कोई कविता आती है?	समस्यात्मक प्रश्न

उद्देश्य कथन

बच्चो! आज हम व्यक्ति का मेहनती होना असफलता का मूल मंत्र है इस सम्बन्ध में एक व्यक्ति की कविता के भावार्थ का विस्तारपूर्वक अध्ययन करेंगे।

प्रस्तुतीकरण

	शिक्षण बिंदु	शिक्षण विधि	हा० अध्यापिका क्रियाएँ	
1.	लहरों से डर कर नौका पार नहीं होती।	आदर्श वाचन व व्याख्या विधि	कवि सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' उद्यमशीलता की व्याख्या अपनी कविता शीर्षक – 'कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती' के माध्यम से सफलता प्राप्त करने का आदेश प्रस्तुत करते हुए कहते हैं कि लहरों से घबरा-कर कभी नाव से समुन्दर को पार नहीं किया जा सकता है।	प्रश्न उत्तर
2.	प्रश्न-उत्तर विधि	संबंधित प्रश्न	प्रस्तुत कविता के कवि कौन है?	प्रश्न उत्तर
3.	डुबकियाँ ---: कोशिश करने वालों की	व्याख्या विधि	आगे कवि कहता है जिस प्रकार गोताखोर बार-2 समुद्र में	

शिक्षण बिन्दु	शिक्षण विधि	छात्र अध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	चॉकबोर्ड कार्य
		डुबकी लगाते है, और कई प्रकार हाथ खाली आते है, बिना कुछ लिए वापस आ जाते है, सहज ही मोती मिलना सम्भव नही है।		
		असफलता से हारने वाला मनुष्य पशु समान है।		
संबंधित प्रश्न	प्रश्न - उत्तर विधि	पशु के समान कौन होता है?	असफलता से हारने वाला मनुष्य	
असफलता एक चुनौती ---- कोशिश करने वालो की हार नही होती	आदर्श वाचन व व्याख्या विधि	कवि निराला कहते है कि जीवन में असफलता एक चुनौती है इसे स्वीकार करना चाहिए। अपनी कमियो पर ध्यान देना चाहिए और सुधार किया जाये तो सफलता		

विषय बिन्दु	शि० विधि	छात्र अध्यापिका क्रियाएँ
		मिल सकती है। कवि का कथन है कि इस संघर्षमय जीवन का मैदान केवल असफलता देखकर नहीं छोड़ना चाहिए इस जीवन-रूपी मैदान मे बिना संघर्ष का खेल जीते जय-जयकार नहीं होती है।
असफलता एक चुनौती ---- कोशिश करने वालो----	व्याख्या विधि	
संबंधित प्रश्न	प्रश्न विधि	जो कोशिश करते है उनकी कभी पराजय नहीं होती।
प्रश्न-		बच्चों! किसकी हार कभी नहीं होती?

प्रश्न उ-2

प्रश्न उ-2

मूल्यांकन :-

① चींटी कैसे मेहनत करती है?

② सफलता न मिलने पर क्या करना चाहिए?

③ मन का विश्वास रंगों में साहस किस प्रकार भरेगा?

④ गोताखोर गहरे पानी में क्यों उतरते हैं?

गृहकार्य :-

① कविता का भावार्थ लिखें।

② विश्वास, चढ़ना, गहरा, सफलता शब्दों का विलोम लिखिए।

LESSON No. 5

Date 23/1/15

Duration of the period 35 मिनट

Pupil Teacher's Name सरोज लकवाड़

Pupil Teacher's Roll No. 1425

Class आठवीं

Average Age of the pupils 13

Subject हिन्दी - शिक्षण

Topic व्याकरण - वाच्य

अनुदेशनात्मक उद्देश्य

I

पाठोपरान्त विद्यार्थी—

① विद्यार्थी हिन्दी भाषा के महत्व की सामान्य जानकारी प्राप्त कर पाएंगे।

② विद्यार्थी किसी बात के प्रस्तुत करने के ढंग के विषय में सामान्य जानकारी प्राप्त कर पाएंगे।

II

→ ① विद्यार्थी हिन्दी भाषा में बात प्रस्तुत करने के ढंग को समझ पाएंगे।

III

→ विद्यार्थी भाषा के ज्ञान में वृद्धि अपने जीवन में प्रयोग कर पाएंगे।

IV

→ ① विद्यार्थी वाच्य का भाव मूल्यांकन कर पाएंगे।

① सामान्य →
② विशिष्ट →

सहायक सामग्री - वाच्य संबंधी चार्ट।

पूर्वज्ञान परीक्षण

प्रस्तावित प्रश्न	संभावित उत्तर
छा० अ० बच्चों से पूछते हुए— ① क्रिया किसे कहते हैं?	किसी कार्य को की जाने वाली प्रक्रिया।
② पढ़ना, लिखना, बोलना आदि क्या है?	क्रिया
③ क्रिया के कितने भेद हैं?	दो
④ हम बात करते हैं, बात करने के लिए किसका प्रयोग करते हैं?	भाषा
⑤ बोलने के ढंग को क्या कहते हैं?	समस्यात्मक प्रश्न

उद्देश्य कथन :- — बच्चों आज हम वाच्य के विषय में जानेंगे।

प्रस्तुतीकरण

बिन्दु	शिक्षण विधि	छात्र। अध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
वाच्य	प्रदर्शन व व्याख्या विधि	"किसी बात को प्रस्तुत करने के ढंग को वाच्य कहा जाता है।"	
प्रश्न	–	① वाच्य किसे कहते हैं?	उत्तर – किसी बात को प्रस्तुत करने के ढंग को वाच्य कहते हैं।
वाच्य के प्रकार	प्रश्न-उत्तर विधि	वाच्य के तीन प्रकार हैं – 1. कर्मवाच्य 2. कर्तृवाच्य 3. भाववाच्य	
प्रश्न–		वाच्य के कितने प्रकार हैं?	उत्तर – वाच्य के मुख्य रूप से 3 प्रकार हैं- ① कर्मवाच्य ② कर्तृवाच्य

शिक्षण बिन्दु	शिक्षण विधि	छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
			3. भाववाच्य
कर्तृवाच्य	व्याख्या विधि	इसमें कर्त्ता की प्रधानता होती है और कर्त्ता के वचन, लिंग के अनुसार ही क्रिया होती है।	
उदाहरण	—	राम पुस्तक पढ़ता है।	
	प्रश्न-उत्तर विधि	छा० अध्यायिका छात्रों से प्रश्न पूछेंगी — उपरोक्त वाक्य में राम क्रिया को करने वाला है तो यह कर्त्ता कहा जा सकता है या नहीं ?	उत्तर - राम कर्त्ता है क्योंकि क्रिया उसी के द्वारा की गई है।
उदाहरण	"	श्याम गाना गाता है?	
		इस वाक्य में कर्त्ता बतओ।	उत्तर — श्याम

शिक्षण बिंदु	शिक्षण विधि	छात्र अध्यापिका क्रियाएँ	
कर्म वाच्य	व्याख्या विधि	इसमें कर्म की प्रधानता होती है इसमें क्रिया, कर्म के लिंग, वचन व पुरुष के अनुसार होती है।	
उदाहरण	—	सीता के द्वारा पत्र लिखा गया।	
संबंधित प्रश्न	प्रश्न-उत्तर विधि	वाक्य में जहाँ कर्म की प्रधानता हो उसे क्या कहते है?	उत्तर- वाक्य जहाँ कर्म की प्रधानता हो वहाँ कर्म वाच्य होता है।
भाव. वाच्य	प्रदर्शन और व्याख्या विधि	जब वाक्य में कर्त्ता व कर्म की प्रधानता ना होकर भाव की प्रधानता होती है तो वाक्य भाववाच्य कहलाता है। इसमें क्रिया प्रधान पुरुष एकवचन व पुल्लिंग मे होती है	
उदाहरण-	—	① मुझसे जाया नहीं गया।	

मूल्यांकन

① वाच्य किसे कहते हैं?

② कर्मवाच्य से आप क्या समझते हैं?

③ "सीता के द्वारा पाठ पढ़ा गया" में कौन सा वाच्य है?

गृहकार्य

→ ① सभी विद्यार्थी वाच्य और उसके भेदों को याद करेंगे और लिख कर लायेंगे।

② कर्मवाच्य की परिभाषा लिखिए।

③ कर्तृवाच्य के 5 उदाहरण लिखिए।

④ "राम और श्याम से यह पाठ पढ़ा नहीं गया" किस वाच्य में आता है?

DISCUSSION
LESSON

LESSON No. 7

Date: 4/2/15

Duration of the period: 35 मिनट

Pupil Teacher's Name: सरोज लकवाड़

Pupil Teacher's Roll No.: 1425

Class: 8

Average Age of the pupils: 13

Subject: हिन्दी - शिक्षण

Topic: वर्ण व्यवस्था

अनुदेशनात्मक उद्देश्य

पाठोपरान्त विद्यार्थी

I — ① विद्यार्थी वर्ण एवं भाषा में प्रयोग होनेवाले सभी प्रकार की उच्चारित मौखिक भाषा को जान पाएँगे।

② भाषा में लिखित शब्दों के उच्चारण में उतार - चढ़ाव से परिचित होंगे।

II — ① विद्यार्थी लिखित व मौखिक रूप से प्रयुक्त होने वाली भाषा में मात्राओं का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

② विद्यार्थी शब्द निर्माण की प्रक्रिया जान सकेंगे।

III — ① विद्यार्थी दैनिक जीवन में प्रयुक्त होने वाली भाषा को आसानी से लिख व पढ़ पाएँगे।

IV — ① विद्यार्थी वर्ण व्यवस्था का संश्लेषण कर पाएँगे।

सहायक सामग्री :— ① सामान्य सहायक सामग्री
② विशिष्ट सहायक सामग्री
वर्णों का चार्ट।

पूर्वज्ञान परीक्षण

प्रस्तावित प्रश्न	संभावित उत्तर
① भाषा में प्रयुक्त होने वाले ध्वनियों को क्या कहा जाता है?	वर्ण
② क्या वर्ण और अक्षर में अंतर होता है?	हाँ
③ अक्षर किसे कहते हैं?	शब्दों के समुदाय को।
④ भाषा में वर्ण और अक्षर दोनों का प्रयोग होता है?	हाँ।
⑤ वर्णों के समुदाय को क्या कहते हैं?	समस्यात्मक प्रश्न

उद्देश्य कथन :— बच्चों! आज हम भाषा में प्रयुक्त वर्ण व्यवस्था के बारे में चर्चा करेंगे तथा वर्ण के विभिन्न समुदाय व वर्गीकरण के बारे में पढ़ेंगे।

प्रस्तुतीकरण

शिक्षण विधि	छात्रा अध्यापिका क्रियाएँ
प्रदर्शन व व्याख्या विधि	भाषा की सबसे छोटी इकाई वर्ण है। इन वर्णों के संयोग से शब्दों का निर्माण होता है। वर्ण का प्रयोग ध्वनि और ध्वनि चिह्न दोनों के लिए किया जाता है, क्योंकि ध्वनियों के उच्चारण और लिखित दोनों रूपों के प्रतीक हैं। इन वर्णों को वर्णमाला कहते हैं।
प्रदर्शन विधि	उच्चारण की दृष्टि से हिन्दी वर्णमाला को दो भागों में बाँटा जाता है क) स्वर ख) व्यंजन

शिक्षण बिन्दु	शिक्षण विधि	छात्र अध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
स्वर	प्रदर्शन विधि	स्वर उन वर्णों को कहते हैं, जिनका उच्चारण स्वतंत्रता से हो सकता है ये व्यंजनों के उच्चारण में भी सहायक हैं। इनके उच्चारण में श्वास-वायु बिना किसी रुकावट के मुख से निकलती है। स्वरों की विशेषता है कि जब ये व्यंजनों से मिलते हैं तो मात्रा बन जाते हैं। स्वर संख्या में 11 हैं।	
स्वर	प्रदर्शन व व्याख्या विधि	स्वर इस प्रकार हैं- अ, आ, इ, ई, उ, ऊ ऋ, ए, ऐ, ओ, औ	
स्वर के भेद	विधि	उच्चारण के आधार पर स्वरों के दो प्रकार हैं - (1) ह्रस्व स्वर (2) दीर्घ स्वर	
ह्रस्व स्वर	व्याख्या विधि	जिन स्वरों को सबसे कम समय में उच्चारित किया जाता है, उन्हें ह्रस्व स्वर कहते हैं।	

शि० विधि	छा० अध्यापिका क्रियाएँ
प्रदर्शन विधि	ह्रस्व स्वर हैं- अ, इ, उ, ऋ इनके उच्चारण में जो समय लगता है उसे एक मात्रा कहते हैं। ऋ का प्रयोग केवल संस्कृत (तत्सम) शब्दों मे होता है। इन्हे (ह्रस्व स्वरों) मूल स्वर भी कहते हैं।
व्याख्या व प्रदर्शन विधि	जिन स्वरों में उच्चारण करते समय ह्रस्व स्वर से अधिक (दो मात्रा) का समय लगता है: उन्हे 'दीर्घ स्वर' कहते हैं। आ, ई, ऊ, ए, ऐ, ओ, औ।
व्याख्या विधि	अनुस्वार व अनुनासिक स्वर अनुस्वार में श्वास केवल नाक से निकलता है जबकि अनुनासिक में मुख और नाक दोनो से। अनुस्वार तीव्र व अनुनासिक धीमी ध्वनि है। इनके उच्चारण में पूर्ववर्ती स्वर की आवश्यकता होती है।

मूल्यांकन :-

① भाषा की सबसे छोटी इकाई क्या है

② वर्णों के संयोग से किसका निर्माण होता

③ वर्णों के समूहों को क्या कहते हैं?

④ स्वरो के प्रकार लिखो।

⑤ गौण व्यंजन कौन-2 से हैं?

गृहकार्य :-

① कवर्ग, चवर्ग, टवर्ग, तवर्ग व पवर्ग के सभी व्यंजनो को लिखो।

② वर्णों के समूह के बारे मे लिखो।

प्रेमलता 5/6

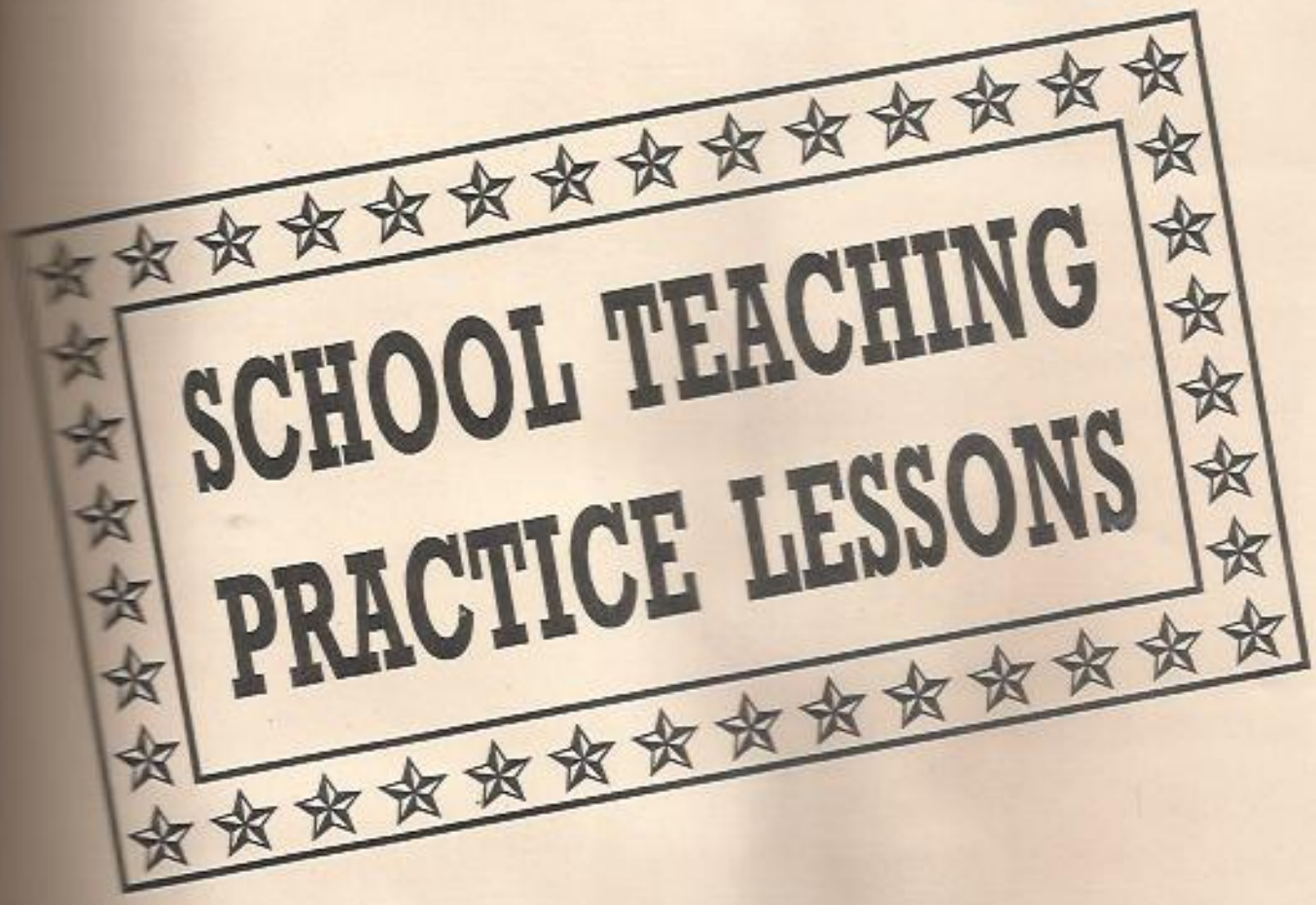
SCHOOL TEACHING
PRACTICE LESSONS

LESSON No. 1

Date 13/2/15 Duration of the period 35 मिनट

Pupil Teacher's Name सरोज लकवाड़ Pupil Teacher's Roll No. 1425

Class सातवीं Average Age of the pupils 12

Subject हिन्दी शिक्षण Topic शब्द रचना

अनुदेशनात्मक उद्देश्य

I

① विद्यार्थी हिन्दी भाषा के लिखे गए एवं मौखिक रूप से कहे जाने वाले शब्दों को पहचानने के योग्य हो पाएँगे।

② विद्यार्थी शब्दों के माध्यम से वाक्य की रचना कर पाएँगे।

II

① विद्यार्थी हिन्दी भाषा के शब्दों से वाक्य बनाने के योग्य हो जाएँगे।

② विद्यार्थी विभिन्न प्रकार के शब्दों में भेद कर सकने में योग्य हो पाएँगे।

III

① विद्यार्थी शब्दों को अपने सामान्य जीवन में प्रयोग कर सकेंगे।

② विद्यार्थी वाक्यों का निर्माण कर उनके अर्थों में अन्तर कर पाएँगे।

IV

① विद्यार्थी शब्दों के अर्थ का विश्लेषण कर पाएँगे।

सामान्य सहायक सामग्री :- :- शब्दों के प्रकार लिखा हुआ चार्ट

विशेष सहायक सामग्री

पूर्वज्ञान परीक्षण

प्रस्तावित प्रश्न	संभावित उत्तर
राम बाज़ार जाता है। ① इस वाक्य में किसके निर्माण से शब्दों की रचना हुई है?	वर्ण
② वर्णों के कितने प्रकार होते हैं?	क) स्वर (ख) व्यंजन
③ वाक्य रचना के लिए किसकी जरूरत होती है?	शब्द
④ दो या दो से अधिक वर्णों के मेल से बनने वाले सार्थक शब्द को क्या कहेंगे?	समस्यात्मक प्रश्न

उद्देश्य कथन :-

:- आओ बच्चों! आज हम आपको शब्द एवं उसकी रचना के बारे में जानकारी देंगे।

प्रस्तुतीकरण

बिंदु	शि॰ विधि	छा॰ अध्यापिका क्रियाएँ
[illegible]	व्याख्या विधि व प्रदर्शन विधि	शब्द निर्माण की दृष्टि से शब्दों को दो श्रेणियों में रखा जाता है। (क) मूल शब्द (ख) व्युत्पन्न शब्द
[illegible]	व्याख्या विधि	मूल शब्द – मूल शब्द को ही रूढ़ि शब्द कहा जाता है।
[illegible]	प्रदर्शन विधि	व्युत्पन्न शब्द – व्युत्पन्न शब्द उपसर्ग और प्रत्यय के योग से बनते है। उपसर्ग और प्रत्यय शब्द

शि० बिंदु	शि. विधि	द्वा० अध्यापिका क्रियाएँ	
		नहीं वरन् शब्दार्थ है।	
उपसर्ग	व्याख्या विधि	वे शब्द जो मूल शब्द के पहले जुड़ते हैं और उसका अर्थ बदलते हैं उपसर्ग कहलाते हैं।	
उदाहरण		① अभाव में 'अ' उपसर्ग ② कुसंगति में 'कु' उपसर्ग। ③ अत्यधिक में अति उपसर्ग है। ④ अनजान में अन उपसर्ग।	
प्रश्न	प्रश्न-उत्तर विधि	① उपसर्ग किसे कहते हैं?	उत्तर- उपसर्ग वे शब्द होते हैं जो शब्द के आगे लग कर उसका अर्थ बदल दें।

...बिंदु	शि॰ विधि	छा॰ अध्यापिका क्रियाएँ
...संबंधित प्रश्न	प्रश्न-उत्तर विधि	(2) बच्चो! उपसर्ग के उदाहरण दीजिए।
...प्रत्यय	व्याख्या विधि	वे शब्द जो मूल शब्द के अन्त में जुडकर शब्द का अर्थ परिवर्तित कर देते है, प्रत्यय कहलाते है।
	उदाहरण	दैनिक – इक प्रत्यय सातवाँ – वा प्रत्यय
...संबंधित प्रश्न	प्रश्न-उत्तर विधि	(1) बच्चो! प्रत्यय के उदाहरण दीजिए
...प्रत्यय के प्रकार	प्रदर्शन व व्याख्या विधि	मुख्य रूप से प्रत्यय के दो प्रकार है – (क) कृत प्रत्यय (ख) तद्धित प्रत्यय
	(क)	कृत प्रत्यय – पठन, मनन, पीड
	(ख)	तद्धित प्रत्यय – मानव, चचेरा

मूल्यांकन

① शब्द के कितने प्रकार होते हैं?

② मूल व व्युत्पन्न शब्द के उदाहरण दीजिए।

③ उपसर्ग किसी शब्द के पूर्व में प्रयुक्त होकर अर्थ परिवर्तन करते हैं अथवा अन्त में?

④ प्रत्यय कितने प्रकार के होते हैं? नाम लिखो।

गृहकार्य

① बच्चो! आप सभी उपसर्ग व प्रत्यय के बीस-20 उदाहरण लिखिए।

LESSON No. 2

Date 14/2/15 Duration of the period 35 मिनट

Pupil Teacher's Name सरोज लकवाड़ Pupil Teacher's Roll No. 1425

Class सातवीं Average Age of the pupils 12+

Subject हिन्दी शिक्षण Topic विराम चिह्न

अनुदेशनात्मक उद्देश्य

I :- ① विद्यार्थी भाषा में प्रयुक्त होने वाले विभिन्न प्रकार के उतार-चढ़ाव झुकना आदि के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

② विद्यार्थी लिखित व मौखिक भाषा के द्वारा अपने विचार व्यक्त कर सकेंगे।

II :- ① विद्यार्थी विभिन्न प्रकार की पत्र-पत्रिकाओं एवं समाचार पत्र आदि को पढ़ने एवं समझने की योग्यता प्राप्त कर सकेंगे।

III ① विद्यार्थी भाषा का दैनिक जीवन में लिखित एवं मौखिक दोनों रूपों में प्रयोग कर सकेंगे।

IV ① विद्यार्थी भाषा के संक्षिप्त रूप को अपने शब्दों में व्याख्या करने के योग्य हो जाएंगे।

सहायक सामग्री :- → ① सामान्य
② विशिष्ट
:- चॉक, चार्ट, संकेतक आदि।

पूर्वज्ञान परीक्षण

प्रस्तावित प्रश्न	संभावित उत्तर
① रमेश बाजार गया है?	
① इस वाक्य के अंत में कौनसा चिह्न प्रयुक्त हुआ है।	विराम चिह्न
② भाषा के लिखित एवं मौखिक रूप में वाक्य के अंत में क्यों रुका जाता है?	समस्यात्मक प्रश्न

सहायक उद्देश्य कथन :- बच्चो! आज हम विराम चिह्नों के बारे में विस्तृत चर्चा करेंगे।

प्रस्तुतीकरण

बिंदु	शि. विधि	द्वा० अध्यापिका क्रियाएँ
	प्रदर्शन व व्याख्या विधि	भाषा के लिखित रूप में वाक्य के बीच में तथा वाक्य के अंत में विराम के लिए कुछ संकेतो अथवा चिह्नो का प्रयोग किया जाता है। इन चिह्नो को विराम चिह्न कहा जाता है।
	प्रश्न - उत्तर विधि	बच्चो! विराम का अर्थ क्या होता है?
	प्रदर्शन विधि	विराम चिह्नों को मुख्यत: 12 प्रकार के होते हैं। ① पूर्ण विराम (।) ② अर्द्ध विराम (;) 3. अल्प विराम (,) 4. प्रश्न वाचक चिह्न (?) 5. विस्मयवाचक चिह्न (!) 6. योजक चिह्न (-) 7. निर्देशक चिह्न (——) 8. अवतरण " (“ ”) 9. विवरण (:-) 10. कोष्ठक चिह्न (०)

शि० बिंदु	शि० विधि	छा० अध्यापिका क्रियाएँ
		11. हंस पद (V) 12. लाघव चिह्न (0)
विराम चिह्न का प्रयोग	व्याख्या विधि	पूर्ण विराम - जब कोई वाक्य पूरा हो जाता है, तो उसके अंत में पूर्ण विराम का चिह्न लगाया जाता है।
	व्याख्या व प्रदर्शन विधि	अर्ध विराम :- जब किसी वाक्य में रुकने के लिए पूर्ण विराम की अपेक्षा कम समय लगता है, तो अर्ध विराम का प्रयोग होता है।
	प्रदर्शन विधि	अल्प विराम :- अल्प विराम में सबसे कम समय तक रुकना पड़ता है। प्रश्नवाचक :- प्रश्न पूछने पर प्रश्न के अंत मे प्रश्नवाचक चिह्न लगाया जाता है। विस्मयवाचक :- इसका प्रयोग हर्ष, दुख या शोक प्रकट करने के लिए किया जाता है।

शि॰ विधि	द्वा॰ अध्यापिका क्रियाएँ
व्याख्या विधि प्रदर्शन व व्याख्या विधि	योजन चिह्न :- शब्दों को जोड़ने का काम करते हैं। निर्देशक चिह्न :- इसका प्रयोग किसी व्यक्ति विशेष को निर्देश देने के लिए किया जाता है। अवतरण चिह्न :- अवतरण चिह्न दो प्रकार के होते हैं, जिसमें इकहरा और दोहरा अवतरण।
प्रदर्शन विधि	विवरण चिह्न :- किसी विषय का विवरण देने के लिए इसका प्रयोग किया जाता है।
व्याख्या व प्रदर्शन विधि	कोष्ठक :- कोष्ठक चिह्न का प्रयोग समान अर्थ वाले वाक्यों के लिए किए जाता है।
व्याख्या विधि	हंसपद :- त्रुटिपूरक चिह्न का प्रयोग जब वाक्य के बीच मे छूट जाता है।
व्याख्या विधि	लाघव चिह्न :- वाक्यांश को संक्षिप्त लिखने के लिए।

मूल्यांकन

① विराम चिह्न किसे कहते हैं?

② पूर्ण विराम का प्रयोग कहाँ पर होता है?

③ लाघव चिह्न का प्रयोग कहाँ पर होता है?

④ विवरण चिह्न का प्रयोग कहाँ पर होता है?

गृहकार्य

बच्चो! आप सभी विराम चिह्नों के संकेतों को याद करके आयेंगे एवं परिभाषा तथा उनके प्रयोग को स्पष्ट लिखकर लायेंगे।

LESSON No. 3

Date 15/2/15 Duration of the period 35 मिनट

Pupil Teacher's Name सरोज लकरा Pupil Teacher's Roll No. 1425

Class आठवीं Average Age of the pupils 13

Subject हिन्दी शिक्षण Topic मिठाई वाला

अनुदेशनात्मक उद्देश्य

I

① विद्यार्थी ग्रामीण जीवन के बारे में सामान्य जानकारी प्राप्त कर पाएँगे।

② विद्यार्थी अपने परिवार के बारे में सामान्य जानकारी प्राप्त कर पाएँगे।

II

① विद्यार्थी स्वंय द्वारा खरीदी गयी वस्तुओं की सारणी बनाने के योग्य होंगे।
② छात्र वस्तुओं का उपयोग करने की जानकारी प्राप्त कर पाएँगे।

III

① विद्यार्थी समाज के हर कार्य को अपने बाल्य जीवन में प्रयोग कर पाएँगे।

IV

① विद्यार्थी समान की खरीद संबंधी गुण व दोष जानने की सामान्य जानकारी कर पाएँगे।

(i) सामान्य सहायक सामग्री :- मिठाई वाले का चित्र।

(ii) विशिष्ट सहायक सामग्री

पूर्वज्ञान परीक्षण

छात्राध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
(1) ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थी अपना मनपसंद खेल आदि का सामान किससे खरीदते हैं?	दुकान से।
(2) क्या आपके गाँव मे कोई व्यक्ति कुछ सामान बेचने आता है?	हाँ आते हैं।
(3) यदि आपके गाँव में कोई व्यक्ति कुछ सामान लेकर आए तो आप क्या-2 खरीदेंगे ?	संभावित उत्तर

उद्देश्य कथन :- अच्छा बच्चों आज हम 'मिठाई वाले' के विषय में पढ़ेंगे।

प्रस्तुतीकरण

बिंदु	शि. विधि	छा. अध्यापिका क्रियाएँ
	आदर्श वाचन व व्याख्या विधि	प्रस्तुत पंक्तियों के माध्यम से लेखक ने किसी ऐसी दुःखी व्यक्ति की जीवन शैली की विभिन्न घटनाओं का धार्मिक वर्णन किया है जिसमें वह एक ऐसे व्यक्ति को माध्यम बनाता है जो नितान्त दुःख के कारण अपने बच्चों से बिछुड़ गया है और अपने बच्चों का सुख पाने के लिए और उनके कोमल अंगों का पूर्ण स्पर्श करने के आनन्द का अनुभव करना एक माध्यम है।
	प्रश्न-उत्तर विधि	प्रस्तुत पाठ में कैसे व्यक्ति का वर्णन किया गया है? बच्चों को खिलौने बेचने के लिए आकार उनकी कोमल उंगलियों का स्पर्श करना . कितना महत्वपूर्ण

शिक्षण बिंदु	शि॰ विधि	छा॰ अध्यापिका क्रियाएँ
	व्याख्या विधि	समझना मिठाई वाले का बच्चो के प्रति प्यार और दुलार का मार्मिक चित्रण किया गया है।
नगर भर मे दो चार दिनो से एक मुरली वाले के आने का समाचार फैल गया।	आदर्श वाचन व व्याख्या विधि	मिठाई वाला व्यक्ति पुनः छः माह बाद अपना वेष बदल कर उसी गाँव मे आता है। उस समय मुरली के माध्यम से उस गाँव मे सुन्दर स्वर मे पुकारता हुआ एव मुरली बजाता हुआ बच्चो को अपनी प्रतिभा से आकर्षित करता था। लोग उसकी मुरली की मधुर-मधुर ध्वनि सुनकर अपने-अपने घरो से निकल पड़ते थे।

बिंदु	शि. विधि	छा० अध्यापिका क्रियाएँ
संबंधित प्रश्न	प्रश्न-उत्तर विधि	① मिठाई वाला व्यक्ति गाँव में कितने समय के बाद आता है?
आठ माह बाद सर्दी के दिन थे। रोहिणी स्नान करके मकान की छत पर चढ़कर आजानुलंबित केश सुखा रही थी	व्याख्या विधि व्याख्या विधि	लेखक ने फिर आठ माह बाद उसी व्यक्ति को काम बदलकर प्रवेश करते दिखाया है। तो गाँव की स्त्रियाँ भी अपना काम छोड़कर उस मिठाई वाले को देखने को उत्सुक हो जाती है। एक रोहिणी नाम की स्त्री स्नान करके छत पर पहुँची और अपने घने बाल सुखा रही थी। इतने में मिठाईवाले के आने का स्वर मिलता है और सभी का ध्यान उस पर आकर्षित हो जाता है क्योंकि उसकी आवाज इतनी आकर्षक थी जिसने सबको अपना बना लिया।

मूल्यांकन

① मिठाई वाला इसी गाँव मे क्यो आ[illegible]
करता था?

② मिठाईवाला अपना किसके माध्यम से काम करना चाहता था?

③ मिठाईवाला को ही लेखक ने विभिन्न रूपो मे गाँव मे आते दिखाया गया है क्यो?

गृहकार्य

① बच्चों आप यह बताओ कि चुन्नू-मुन्नू कौन थे?

② आप सभी लोग रोहिणी के पति का नाम लिखें।

③ मिठाई वाला कौन था?

④ चुन्नू-मुन्नू की माँ का क्या नाम था?

Ashok K

LESSON No. 4

Date 12/2/15 Duration of the period 35 मिनट

Pupil Teacher's Name सरोज लकवाड़ Pupil Teacher's Roll No. 1425

Class सातवीं Average Age of the pupils 12

Subject हिन्दी शिक्षण Topic संज्ञा व सर्वनाम

अनुदेशनात्मक उद्देश्य

① छात्र संज्ञा व सर्वनाम शब्द को परिभाषित कर पाएँगे।
② संज्ञा शब्द से परिचित हो पाएँगे।

① संज्ञा व सर्वनाम के उदाहरण लिख पाएँगे।
② संज्ञा व सर्वनाम में अन्तर कर पाएँगे।

① संज्ञा व सर्वनाम का दैनिक जीवन में प्रयोग जान पाएँगे।
② सर्वनाम शब्दों का महत्व जानेंगे।

① वस्तु के नाम से उसके कार्य को संबंधित करने योग्य हो पाएँगे।

सहायक सामग्री :-

① संज्ञा संबंधित चार्ट।
② सर्वनाम के भेदों का चार्ट।

पूर्वज्ञान परीक्षण

प्रस्तावित प्रश्न	संभावित उत्तर
① क्या आप कभी घूमने कहीं घूमने गए हैं?	हाँ।
② कहाँ गए थे?	आगरा, दिल्ली आदि
③ तहाँ आपने क्या-2 देखा।	ताजमल (आगरा) लालकिला (दिल्ली
④ क्या आपने इन वस्तुओं के विषय में कहीं पढ़ा है? (एक छात्र को खड़ा करेंगे)	हाँ हमारी पुस्तक है।
⑤ इस का नाम क्या है?	राम, श्याम, संभावित उत्तर
क्या आप जानते हैं स्थान, ⑥ वस्तु या व्यक्ति के नाम को क्या कहते हैं?	समस्यात्मक प्रश्न।

उद्देश्य कथन

आओ! बच्चो आज हम इस विषय में चर्चा करेंगे कि इन्हें क्या कहा जाता है।

प्रस्तुतीकरण

बिन्दु	शि॰ विधि	छा॰ अध्यापिका क्रियाएँ
संज्ञा	प्रदर्शन व व्याख्या विधि	बच्चो --! किसी व्यक्ति, वस्तु अथवा स्थान के नाम को संज्ञा कहते हैं। जैसे- राम, दिल्ली, पुस्तक आदि।
संज्ञा के भेद	व्याख्या विधि	संज्ञा के तीन भेद होते हैं :— क) व्यक्तिवाचक संज्ञा ख) जातिवाचक संज्ञा ग) भाववाचक संज्ञा
व्यक्ति वाचक संज्ञा	व्याख्या विधि	वह संज्ञा शब्द जिससे किसी एक वस्तु, व्यक्ति अथवा स्थान के नाम का बोध हो

शि. बिंदु	शि. विधि	द्वा. अध्यापिका क्रियाएं
		व्यक्तिवाचक संज्ञा कहलाती है।
संबंधित प्रश्न	प्रश्न उत्तर विधि	① व्यक्तिवाचक संज्ञा के उदाहरण बताओ।
जातिवाचक संज्ञा	व्याख्या विधि	वह संज्ञा शब्द जिससे किसी एक वस्तु, व्यक्ति अथवा स्थान का नाम का बोध हो उसे व्यक्ति-वाचक। जातिवाचक :— किसी संज्ञा से किसी जाति के सम्पूर्ण पदार्थों, स्थलों, प्राणियों आदि का बोध होता है उसे जातिवाचक संज्ञा कहते हैं।
संबंधित प्रश्न	व्याख्या विधि	① जातिवाचक संज्ञा के उदाहरण बताओ।

...बिंदु	शि. विधि	छा. आ. क्रियाएं
...व-वाचक संज्ञा	व्याख्या विधि	भाववाचक संज्ञा :- गुण दोष स्वभाव, दशा आदि का बोध होता है उसे भाववाचक संज्ञा कहते है।
...बंधित प्रश्न	व्याख्या विधि	① भाववाचक संज्ञा का उदाहरण बताओ।
...र्वनाम	व्याख्या विधि	सर्वनाम :- संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त होने वाले शब्दो को सर्वनाम कहते है। जैसे - तुम, मैं, हम, आप आदि।
...र्वनाम के ...द	प्रदर्शन विधि	सर्वनाम मुख्यतः छः प्रकार के होते है — (क) पुरूषवाचक :- तु, मैं, वह (ख) निश्चयवाचक :- थोडा, बहुत (ग) अनिश्चयवाचक :- कोई, कुछ (घ) संबंध वाचक :- जैसा, वैसा (ङ) प्रश्न वाचक :- क्या, कौन (च) निज वाचक :- आप, स्वंय

मूल्यांकन

① संज्ञा किसे कहते हैं? उदाहरण सहित बताओ।

② जो शब्द संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त होते हैं उन्हे क्या कहते हैं?

③ "राम बाजार" गया मे संज्ञा छाँटिए।

गृहकार्य

① संज्ञा, सर्वनाम की परिभाषा बताओ।

② संज्ञा व सर्वनाम के उदाहरण लिखो

③ संज्ञा के कितने भेद होते हैं? नाम बताओ।

④ सर्वनाम के कितने भेद होते हैं?

नाम लिखिए।

LESSON No. 5

Date 18/2/15 | Duration of the period 35 मिनट

Pupil Teacher's Name सरोज लकवाड़ | Pupil Teacher's Roll No. 1425

Class आठवीं | Average Age of the pupils 13+

Subject हिन्दी शिक्षण | Topic मुहावरे और लोकोक्तियाँ

अनुदेशनात्मक उद्देश्य

I :- ① विद्यार्थी मुहावरो व लोकोक्तियो से परिचित हो पाएंगे।
② विद्यार्थी मुहावरों को जान पाएंगें।

II :- ① विद्यार्थी मुहावरो का प्रयोग दैनिक जीवन में कर पाएंगे।
② विद्यार्थी मुहावरो व लोकोक्तियों के अन्तर को जान पाएंगे।

III :- ① विद्यार्थी मुहावरो के अर्थ समझ पाएंगे।
② विद्यार्थी मुहावरो व लोकोक्तियों में अन्तर कर पाएंगे।

IV :- ① विद्यार्थी दैनिक जीवन में लोकोक्तियो व मुहावरों का प्रयोग कुशलतापूर्वक कर पाएंगे।

सामान्य सहायक सामग्री →

विशेष सहायक सामग्री :- :- मुहावरों व लोकोक्तियों का चार्ट।

पूर्वज्ञान परीक्षण

प्रस्तावित प्रश्न	संभावित उत्तर
① बच्चों! क्या आपने कभी मुहावरें सुने हैं?	हाँ!
② क्या आपने कभी मुहावरों का प्रयोग किया है?	हाँ
③ कोई एक मुहावरें को सुनाओ।	"पेट काटना", अन्धों की लाठी आदि।
④ मुँह में पानी आने का क्या अर्थ है?	लालच करना
⑤ मुहावरें व लोकोक्तियों में क्या फर्क है?	समस्यात्मक प्रश्न

उद्देश्य कथन :- आओ बच्चो! आओ आज हम मुहावरों व लोकोक्तियों के विषय में जानेंगे।

प्रस्तुतीकरण

शि॰ विधि	छात्राध्यापिका क्रियाएँ
व्याख्या विधि	जब वाक्य में किसी शब्द का या शब्द समूह का सामान्य अर्थ नहीं लिया जाता, बल्कि उसी से मिलता-जुलता अर्थ लिया जाता है और यह अर्थ उसे कद बना जाता है। तब हम उसे मुहावरा कहते हैं।
प्रदर्शन व व्याख्या विधि	मुहावरा वाक्य का अंग बनकर प्रयुक्त होता है, स्वतन्त्र रूप से नहीं जैसे :— 'पेट काटना' तो इससे कोई सीधा अर्थ प्रकट नहीं है। इसके स्थान पर कोई कहे कि मैंने पेट काटकर अपने लड़के को पढ़ाया" तो वाक्य के अर्थ में स्पष्टता आ जाती है।

शिक्षण बिंदु	शि॰ विधि	छा॰ अध्यापिका क्रियाएँ	छा॰ क्रियाएं	चॉक बोर्ड
उदाहरण :-	प्रदर्शन विधि	[आँखे दिखाना] अर्थात क्रोध प्रकट करना - मैंने तो कुछ व्यय भी नहीं और तुम मुझे आँखे दिखा रहे हैं।		
प्रश्न	प्रश्न-उत्तर विधि	① 'आँख दिखाने' का अभिप्राय क्या है?	उत्तर - आँख दिखाने का अभिप्राय क्रोध प्रकट करना।	
प्रश्न उदाहरण	प्रश्न-उत्तर विधि	② 'आँख दिखाने' को वाक्य में प्रयोग करिए। ③ 'अक्ल का दुश्मन' 'बिल्कुल मूर्ख' - गोपी समझाने पर अपने भले की बातें भी नहीं समझता है। आखिर अक्ल का दुश्मन जो ठहरा। ④ 'अगर-मगर करना' - तुमने उधार के कपड़े आज लौटाने का वादा किया था, परंतु अब तुम अगर-मगर करने लगे हो।	उत्तर - ① मैंने सिर्फ राम से परीक्षा के विषय में पूछा और वह आँखे दिखाने लगा।	

शि. विधि	छा. अध्यापिका क्रियाएँ
अर्थ	लोकोक्ति :- सामाजिक जीवन में अनुभव के आधार पर प्रचलित उक्ति को लोकोक्ति कहा जाता है। लोकोक्तियाँ प्रायः पूर्ण वाक्य में होती है. जैसे — "अकेला चना भाड़ नहीं फोड़ सकता"
प्रश्न-उत्तर विधि :-	"अकेला चना भाड नहीं फोड सकता" :- अकेला व्यक्ति किसी बड़े कार्य को करने में समर्थ नहीं होता है।

मुहावरे	लोकोक्तियाँ
① मुहावरे स्वतंत्र नहीं होते	① लोकोक्तियाँ स्वतंत्र होती है।
② मुहावरा आकार में छोटा होता है।	② लोक्तियाँ आकार में बड़ी होती है।

व्याख्या विधि

प्रश्न उत्तर विधि	① मुहावरे व लोकोक्तियों में अन्तर बताओ।

मूल्यांकन

① लोकोक्तियों व मुहावरों में अन्तर स्पष्ट करो।

② दो मुहावरों का वाक्य में प्रयोग करके बताओ।

③ 'अक्ल का दुश्मन' से क्या अभिप्राय है?

गृहकार्य

10 लोकोक्तियों व 10 मुहावरों का अर्थ सहित वाक्य में प्रयोग करो।

Ashok K

LESSON No. 6

Date 19/2/15 | Duration of the period 35 मिनट

Pupil Teacher's Name सरोज लकवाड़ | Pupil Teacher's Roll No. 1425

Class आठवीं | Average Age of the pupils 13+

Subject हिन्दी शिक्षण | Topic अवधपुरी में राम

अनुदेशनात्मक उद्देश्य

I :- ① विद्यार्थी कहानियों के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकेंगी।

② विद्यार्थी कहानियाँ द्वारा मनुष्य के जीवन में होने वाले ज्ञानात्मक परिवर्तन की सामान्य जानकारी प्राप्त कर सकेंगी।

II :- ① विद्यार्थी महापुरुष की कहानी तथा समाज में उनके योगदान के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकेंगी।

III ① विद्यार्थी किसी महापुरुष के द्वारा दी गई अच्छाईयाँ अपने जीवन में प्रयोग कर सकेंगी।

IV ① विद्यार्थी महापुरुषों के जीवन की विभिन्न घटनाओं का मूल्यांकन कर पाएँगे।

(a) सामान्य सहायक ~~सामग्री~~ सामग्री

(b) विशिष्ट साहयक सामग्री :- तुलसीदास की रचना का चार्ट।

पूर्वज्ञान परीक्षण

प्रस्तावित प्रश्न	संभावित उत्तर
(1) क्या आपने भगवान राम का नाम सुना है?	हाँ।
(2) भगवान राम कहाँ रहते थे?	अयोध्या में।
(3) भगवान राम के कितने भाई थे	चार।
(4) भगवान राम की पत्नी का क्या नाम है?	सीता।
(5) वनवास में भगवान राम कितने वर्ष के लिए गए?	14 वर्ष के लिए।
(6) रघुकुल के उत्तराधिकारी कौन थे?	संभावित उत्तर

उद्देश्य कथन :- आओ! बच्चों आज हम इससे संबंधित कविता सुनेंगे। 'राम नामक अवधपुरी में नामक' कविता पढ़ेंगे।

प्रस्तुतीकरण

शि. विधि	छात्रा अध्यापिका क्रियाएँ
व्याख्या विधि	यह कथा अवध की है। अवध में स्वंय नदी है किनारे एक अति सुन्दर नगर था, जिसका नाम अयोध्या था। सही अर्थों में एक दर्शनीय भव्यता जैसे विशाल सौंदर्यता का प्रतीक आलीशान इमारतें थी। सुन्दर बाग-बगीचे तालाब पानी से लबालब भरे सरोवर एंव लहराती हरियाली थी।
व्याख्या विधि	राजा दशरथ एक यशस्वी राजा थे। उन्हे किसी प्रकार की कोई समस्या नहीं थी, लेकिन उनका एक छोटा सा दुखा उनकी सन्तान न होने का था।

शिक्षण बिंदु	शिक्षण विधि	छा० अध्यापिका क्रियाएँ
राजा दशरथ	व्याख्या विधि	उनकी आयु लगातार बढ़ती जा रही थी। रानियों के मन में भी बस यही दुःख था कि उनकी आयु लगातार बढ़ती जा रही थी। रानियों के मन में भी यही दुःख था कि उनकी कोई सन्तान नहीं थी।
प्रश्न	प्रश्न-उत्तर विधि	उन्होंने राजा दशरथ को यज्ञ करने की सलाह दी।
	प्रश्न –	① राजा दशरथ की कितनी रानियाँ थीं?
	प्रश्न –	② राजा दशरथ व उनकी रानियों की चिन्ता का विषय क्या था?

	शि० विधि	छात्र अध्यापिका क्रियाएँ
ह	व्याख्या विधि	उन्होंने राजा दशरथ को यज्ञ करने की सलाह दी। गुरु वशिष्ठ ने महाराजा से कहा कि पुत्रेष्टि यज्ञ करें। आपकी इच्छा अवश्य पूरी होगी।
यज्ञ की तैयारी	व्याख्या विधि	यह यज्ञ महान तपस्वी ऋष्यशृंगा की देख-रेख में हुआ। पूरा नगर उसकी तैयारी में लगा था
राम लक्ष्मण भरत शत्रुघ्न का जन्म	व्याख्या विधि	कौशल्या ने राम, सुमित्रा ने दो पुत्र, लक्ष्मण और शत्रुघ्न और रानी कैकेयी के पुत्र का नाम भरत रखा गया। चारों राजकुमार धीरे-2 बड़े हुए। वे बहुत सुन्दर थे। सब गुरुजनों से
प्रश्न	——	① राजा दशरथ के चार पुत्रों के नाम क्या थे?

मूल्यांकन

① अयोध्या नगरी के बारे में बताइए।

② राजा दशरथ कौन थे?

③ महायज्ञ किस लिए किया गया था?

④ बच्चों को शिक्षा किसने दी।

गृहकार्य

(i) सभी बच्चे "राम कथा" लिखकर लायेंगे।

(ii) लक्ष्मण की माता कौन थीं?

(iii) विश्वामित्र कौन थे।

Ashok

LESSON No. 7

Date 21/2/15

Duration of the period 35 मिनट

Pupil Teacher's Name सरोज लकवाड़

Pupil Teacher's Roll No. 1425

Class सातवीं

Average Age of the pupils 12

Subject हिन्दी शिक्षण

Topic विशेषण

अनुदेशनात्मक उद्देश्य

① विद्यार्थी किसी व्यक्ति, वस्तु अथवा स्थान की विशेषता समझने की सामान्य जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

② विद्यार्थी विशिष्ट शब्द को समझने और अपने विचार प्रकट करने में सक्षम

→ ① विद्यार्थी किसी व्यक्ति, वस्तु अथवा स्थान के गुण समझने के योग्य होंगे।

② विशेषण के उदाहरण

① विशेषण शब्दों को अपने जीवन में उपयोग कर पाएँगे।

① विद्यार्थी वस्तुओं के गुण-दोष समझने में कुशल होंगे।

① सामान्य सहायक सामग्री

② विशिष्ट सहायक सामग्री :- विशेषण संबंधी चार्ट।

पूर्वज्ञान परीक्षण

प्रस्तावित प्रश्न	संभावित उत्तर
(पेड का फ्लैश कार्ड दिखाते हुए) ① यह क्या है?	पेड
② यह पेड़ कैसा है?	बडा।
③ इस पेड़ का रंग कैसा है?	हरा
④ यह पेड़ दिखने में कैसा लग रहा है?	हरा भरा व सुन्दर।
⑤ क्या आप जानते है जिन शब्दों से पेड़ के विषय में पता लग रहा है वे क्या कहे जाते है?	समस्यात्मक प्रश्न

उद्देश्य कथन :- आओ! बच्चो – आज हम विशेषण के बारे मे पढेंगे व चर्चा करेंगे।

प्रस्तुतीकरण

शिक्षण बिंदु	शि० विधि	छात्र अध्यापिका क्रियाएँ
विशेषण	प्रदर्शन व व्याख्या विधि	" वह शब्द जो संज्ञा और सर्वनाम शब्द की विशेषता बतलाता है, उसे विशेषण कहते है। उदाहरण :- मोटा, पतला मीठा, खट्टा आदि।
मूल्यांकित प्रश्न	प्रश्न-उत्तर विधि	विशेषण किसे कहते है?
विशेषण के प्रकार	प्रदर्शन विधि	विशेषण के चार भेद होते हैं :— (क) गुणवाचक (ख) परिमाणवाचक

शिक्षण बिंदु	शि० विधि	छा० अध्यापिका क्रियाएँ
		(ग) संख्यावाचक
		(घ) सार्वनामिक विशेषण
गुणवाचक विशेषण	व्याख्या विधि	गुणवाचक विशेषण वह शब्द जो संज्ञा व सर्वनाम शब्द के गुण दोष काल स्वभाव आदि स्पष्ट करें। गुणवाचक विशेषण कहलाता है।
उदाहरण	प्रश्न-उत्तर विधि	गुणवाचक विशेषण किसे कहा जाता है?

[illegible]दु	शि० विधि	छा० अध्यापिका क्रियाएँ
[प]रिणाम [वा]चक [वि]शेषण	व्याख्या विधि	वह संज्ञा या सर्वनाम शब्द की माप-तौल की विशेषता बताता है। परिमाणवाचक विशेषण है।
[प]रिणाम [वा]चक के [भे]द	प्रदर्शन विधि	परिणाम वाचक दो प्रकार के विशेषण होते है (क) निश्चित परिणामवाचक (ख) अनिश्चित वाचक
	प्रश्न —	परिणाम वाचक के कितने भेद है?
[सं]ख्या [वा]चक [वि]शेषण	व्याख्या विधि	वह विशेषण शब्द जिससे संख्या का बोध हो उसे संख्यावाचक विशेषण कहते है। उदाहरण :— एक, चार, 6
[सर्व]नामिक विशेषण	व्याख्या विधि	वह संज्ञा व सर्वनाम शब्द जो उसकी विशेषता प्रकट करता है सार्वनामिक विशेषण कहलाता है। उदाहरण :— यह लडका व लडकी आदि।

मूल्यांकन

① विशेषण किसे कहते हैं?

② विशेषण के कितने भेद हैं?

③ गुणवाचक विशेषण क्या है?

④ परिमाणवाचक विशेषण का क्या अर्थ है?

गृहकार्य

① उदाहरण सहित विशेषण के प्रकार लिखो।

② विशेषण की परिभाषा लिखिए।

LESSON No. 8

Date 23/2/15 | Duration of the period 35 मिनट

Pupil Teacher's Name सरोज लकवाड़ | Pupil Teacher's Roll No. 1425

Class सातवीं | Average Age of the pupils 12

Subject हिन्दी शिक्षण | Topic काल व उसके भेद

अनुदेशनात्मक उद्देश्य

I :- विद्यार्थी अपने आने वाले समय, बीते समय और वर्तमान काल की सामान्य जानकारी जान पाएँगे।

(2) काल के शब्दों की पहचान पाएँगे।

II :- (1) समय तथा काल के भेद को समझने के योग्य हो पाएँगे।

(2) काल के उदाहरण देने में सक्षम हो पाएँगे।

III :- (1) दैनिक जीवन में काल के शब्दों का उपयोग समझ कर प्रयोग कर पाएँगे।

(2) उचित शब्दों का प्रयोग कर पाएँगे।

IV :- (1) विद्यार्थी भाषा की विभिन्न स्थितियों को कुशलता से प्रयोग कर पाएँगे।

सामान्य सहायक सामग्री

विशिष्ट **सहायक सामग्री** :- काल संबंधी चार्ट।

पूर्वज्ञान परीक्षण

क्र० संख्या	प्रस्तावित प्रश्न	संभावित उत्तर
(1)	[शिक्षिका दैनिक जीवन से संबंधित उदाहरण तथा प्रश्न करेंगी]	
(2)	क्या आप कल स्कूल में आए थे?	हाँ/नहीं
(3)	कल कौन सा दिन था?	(संभावित उत्तर) सोमवार
(4)	आज कौन सा दिन है?	मंगलवार
(5)	कल कौन सा दिन होगा	बुधवार
(6)	क्या आप जानते हैं कि समय को व्याकरण में क्या कहते हैं?	समस्यात्मक प्रश्न

उद्देश्य कथन:- :- आओ बच्चो! आज हम समय के भेद व उनके प्रयोग के विषय में पढ़ेंगे।

प्रस्तुतीकरण

बिंदु	शि० विधि	छात्र अध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	चॉकबोर्ड कार्य
काल	प्रदर्शन व व्याख्या विधि	जिन वाक्यों से क्रिया के वर्तमान में चले रहने, बीत जाने, आनेवाले समय का बोध हो उसे काल कहा जाता है।		
संबंधित प्रश्न	प्रश्न-उत्तर विधि	① काल किसे कहते हैं?	उत्तर- जिससे कार्य के होने वाले समय का पता लगे।	
काल के भेद	प्रदर्शन व व्याख्या विधि	काल के मुख्यतः तीन प्रकार हैं :— (क) भूतकाल (ख) वर्तमान काल (ग) भविष्य काल		
संबंधित प्रश्न	प्रश्न-उत्तर विधि	① काल के कितने भेद हैं?	उत्तर- काल के तीन भेद हैं।	

शि० बिन्दु	शि० विधि	छा० अध्यापिका क्रियाएँ
भूतकाल	व्याख्या विधि	जिससे बीते हुए समय का बोध होता है उसे भूतकाल कहते है।
	उदाहरण–	① मैंने कल पत्र लिखा था। ② राम बीमार था।
संबंधित प्रश्न	प्रश्न - उत्तर विधि	① भूतकाल के उदाहरण लिखो।
वर्तमान काल	प्रदर्शन व व्याख्या विधि	वर्तमान काल :— जिससे वर्तमान में चल रहे समय का बोध होता है उसे वर्तमान काल कहते है।

बिंदु	शि०विधि	छा० अध्यापिका क्रियाएँ	छा
	उदाहरण	① मैं किताब पढ़ रही हूँ। ② श्याम खेल रहा है।	
बंधित प्रश्न	प्रश्न उत्तरविधि	① वर्तमान काल के उदाहरण दीजिए।	उ मैं प
विष्य काल	प्रदर्शन व व्याख्या विधि	जिससे किसी कार्य के भविष्य में होने या किए जाने का बोध हो, भविष्य काल कहा जाता है। इसमें आने वाले समय पर काम होता है।	② जा
	उदाहरण	① हम कल दिल्ली जाएँगे। ② हमारी दीदी कल आएँगी।	उ
संबंधित प्रश्न	प्रश्न-उत्तरविधि	भविष्य काल के उदाहरण दीजिए।	

मूल्यांकन

① काल का क्या अर्थ होता है?

② काल के कितने भेद होते हैं?

③ भूतकाल क्या होता है? उदाहरण दीजिए।

④ भविष्य काल के उदाहरण लिखो।

गृहकार्य

① बच्चों काल की परिभाषा व भेदों सहित चार्ट बनाओ।

Ashok K

LESSON No. 9

Date 24/2/15 Duration of the period 30-35 mint

Pupil Teacher's Name सरोज लकवाड़ Pupil Teacher's Roll No. 1425

Class सातवीं Average Age of the pupils

Subject हिन्दी शिक्षण Topic कारक

अनुदेशनात्मक उद्देश्य

I :- ① विद्यार्थी व्याकरण से संबंधित सामान्य जानकारी प्राप्त करने योग्य हो पाएँगे।

② कारकों की पहचान कर पाएँगे।

II :- ① कारकों के उदाहरण दें पाएँगे।

② कारक शब्दों के चिह्नों में भेद कर पाएँगे।

III :- ① विद्यार्थी कारकों का प्रयोग दैनिक बोल चाल में कर पाएँगे।

② भाषा की शुद्धता के साथ प्रयोग कर पाएँगे।

IV :- ① विद्यार्थी कारको के चिह्नो सहित शुद्ध वर्तनी लिख पाएँगे।

सामान्य
विशिष्ट

सहायक सामग्री :- कारकों के चिह्न का चार्ट।

पूर्वज्ञान परीक्षण

	प्रस्तावित प्रश्न	संभावित उत्तर
	हि० आ० बच्चों से पूछेगी।	
①	बच्चों रावण को किसने मारा था?	राम ने
②	रावण ने सीता को कहाँ रखा हुआ था?	अशोक वाटिका में
③	और हनुमान जी किस के ऊपर बैठे थे?	पेड़ पर
④	बच्चों क्या आप जानते है, जो चिह्न वाक्यों के मध्य आए जैसे ने, को, में, पर इन्हे क्या कहते है?	समस्यात्मक प्रश्न

उद्देश्य कथन :- आओ बच्चों आज हम इन्हीं शब्दों के विषय में पढ़ेंगे।

प्रस्तुतीकरण

बिंदु	शि० विधि	छा० अध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	चॉक बोर्ड कार्य
कारक	व्याख्या विधि	"किसी कार्य को करने वाला संज्ञा या सर्वनाम पदो का उस वाक्य मे क्रिया अथवा अन्य पदो के साथ जो सम्बन्ध होता है उसे कारक कहते है।		
बंधित प्रश्न	प्रश्न - उत्तर विधि	① कारक किसे कहते है?	उत्तर - किसी वाक्य में संज्ञा या सर्वनाम पदो का उस वाक्य की क्रिया व अन्य शब्दो से जोडने वाले शब्दो को कारक कहते है।	
परसर्ग	व्याख्या व प्रदर्शन विधि।	परसर्ग :- वाक्य में संज्ञा का क्रिया अथवा अन्य शब्दो से सम्बन्ध बताने के लिए ने, को, से आदि चिह्नो का प्रयोग किया जाता है। इन चिह्नों को कारक चिह्न या परसर्ग कहा जाता है।		

शिक्षण बिंदु	शिक्षण विधि	छा० अध्यापिका क्रियाएँ
कारक के भेद	व्याख्या विधि	कारक के प्रकार - कारकों को आठ भागों में बाँटा गया है। 1. कर्त्ता कारक 2. कर्म कारक 3. करण कारक 4. सम्प्रदान कारक 5. अपादान कारक 6. सम्बन्ध कारक 7. अधिकरण कारक 8. संबोधन कारक
संबंधित प्रश्न	प्रश्न-उत्तर विधि	① कारक के कितने भेद है?
कर्ता कारक	व्याख्या विधि	" क्रिया करने वाल का बोध हो" उदाहरण - राम ने खाना खाया
कर्म कारक		" कर्ता के व्यापार का फल" जैसे - मोहन पत्र लिखता है।

बिंदु	शि० विधि	छात्र अध्यापिका क्रियाएँ
करण कारक	व्याख्या विधि	"क्रिया के साधन का बोध होता है।" जैसे – राम कलम से लिखता है।
सम्प्रदान	व्याख्या विधि	"~~क्रिया के साधन का बोध होता~~ है।" क्रिया किस के लिए की जाती है इसका बोध होता है। जैसे → राजा भिखारी को दान देता है।
अपादान		अलग होने का बोध कराता है। जैसे - पत्ते पेड से गिरते है।
संबंध	व्याख्या विधि	संबंध का बोध होता है। जैसे – राम का भाई है।
अधिकरण	प्रदर्शन विधि	रुपया हाथ मे है।
सम्बोधन		हे प्रभु! यह क्या है?

कारक चिह्न	कारक	परसर्ग
	① कर्त्ता	ने
	② कर्म	को
	③ करण	से, के द्वारा
	④ सम्प्रदान	को, के लिए
	⑤ आपादान	से (अलग)
	⑥ संबंध	का, की, के
	⑦ अधिकरण	मे, पर
	⑧ सम्बोधन	हे, अरे, अरी

मूल्यांकन

① कारक किसे कहते हैं?

② कारक के कितने भेद होते हैं?

③ कर्ता और कर्म कारक में क्या भेद है?

④ सम्प्रदान कारक किसे कहते हैं?

गृहकार्य

कारक की परिभाषा व भेदों सहित चार्ट बनाओं।

Ashok

LESSON No. ...10......

Date 25/2/15 | Duration of the period 30-35 mint
Pupil Teacher's Name सरोज लकवाड़ | Pupil Teacher's Roll No. 1425
Class छठी | Average Age of the pupils 12
Subject हिन्दी शिक्षण | Topic क्रिया

अनुदेशनात्मक उद्देश्य

:- ① विद्यार्थी क्रिया की परिभाषा लिख पाएँगे।

② विद्यार्थी क्रिया शब्द से परिचित होंगे।

③ विद्यार्थी क्रिया शब्द की पहचान कर पाएँगे।

— ① विद्यार्थी क्रिया के सामान्यतः उदाहरण दे पाएँगे।

② क्रिया के भेदों में अन्तर कर पाएँगे।

:- ① दैनिक जीवन में क्रिया का उपयोग जान पाएँगे।

② क्रिया शब्द की शुद्धता का ज्ञान कर प्रयोग कर पाएँगे।

क्रिया का मूल्यांकन कर पाएँगे।

सहायक सामग्री :- क्रिया शब्दों का चार्ट।

पूर्वज्ञान परीक्षण

प्रस्तावित प्रश्न	संभावित उत्तर
① बच्चों आपने सुबह उठ कर क्या-2 किया ?	ब्रुश किया, मुँह हाथ धोए, नहाये, नाश्ता किया, तैयार होकर स्कूल आए।
② स्कूल में क्या-2 किया?	प्रार्थना की, दोस्तो से बात की, कक्षा कार्य किया।
③ अध्यापिका जी ने क्या काम किया?	पढाया।
④ क्या आप जानते है इन सभी कामों को व्याकरण में क्या कहते है?	समस्यात्मक प्रश्न।

उद्देश्य कथन :- आओं बच्चों क्रिया के विषय में जानेंगे।

प्रस्तुतीकरण

विधि	शि० बिंदु	छात्राध्यापिका क्रियाएँ
क्रिया	प्रदर्शन व व्याख्या विधि	"जिन शब्दों से किसी कार्य के करने या होने का पता चलता है, उन्हे क्रिया कहते है।
संबंधित प्रश्न	प्रश्न-उत्तर विधि	(1) क्रिया किसे कहते है?
क्रिया के भेद	व्याख्या विधि	क्रिया के दो भेद होते है:— क) अकर्मक क्रिया। ख) सकर्मक क्रिया।
संबंधित प्रश्न	—	(1) क्रिया कितने प्रकार की होती है?

शिक्षण बिंदु	शि० विधि	छात्र अध्यापिका क्रियाएँ
अकर्मक क्रिया	व्याख्या विधि	अकर्मक :- जिन क्रियाओं का फल कर्म पर ना पड़ता हो, उसे अकर्मक क्रिया कहते हैं। जैसे :- ① सुषमा रोती है। ② अदिति हँसती है। ③ सीता सोती है।
संबंधित प्रश्न	व्याख्या विधि	सकर्मक क्रिया :- जिन क्रियाओं का फल कर्म पर पड़े उन्हें सकर्मक क्रिया कहते हैं।
प्रश्न —	प्रश्न-उत्तर विधि	① अकर्मक क्रिया किसे कहते हैं?

०बिन्दु	शि० विधि	छात्र अध्यापिका क्रियाएँ
सकर्मक क्रिया	उदाहरण-	जैसे- प्रेम खाना खा रहा है या राम कहानी पढ़ रहा है।
		→ इस वाक्य की क्रिया का फल कर्ता 'राम' पर न पड़कर कर्म 'कहानी' पर पड़ रहा है। इसलिए इसे सकर्मक क्रिया कहा जाएगा।
संबंधित प्रश्न	प्रश्न-उत्तर विधि	क्यों। क्या सकर्मक क्रिया में कर्म होता है?
सकर्मक क्रिया के भेद	प्रदर्शन विधि	सकर्मक क्रिया के दो भेद हैं- ① एककर्मक क्रिया ② द्विकर्मक क्रिया
एककर्मक क्रिया	व्याख्या विधि	जैसे- रीता संस्कृत पढ़ती है।
द्विकर्मक क्रिया	व्याख्या विधि	जैसे- अजय ने कैलाश से किताब खरीदी।

मूल्यांकन

① क्रिया किसे कहते हैं?

② क्रिया के कितने भेद होते हैं?

③ अकर्मक व सकर्मक क्रिया में क्या अन्तर है?

④ सकर्मक क्रिया के कितने भेद होते हैं? नाम बताओ।

गृहकार्य

① क्रिया की परिभाषा लिखिए।

② क्रिया के भेदों के नाम लिखिए तथा परिभाषा लिखो।

③ अकर्मक व सकर्मक क्रिया के दस-दस भेद लिखो।

Ashok

LESSON No. ...11.....

Date 26/2/15

Duration of the period 35 mint

Pupil Teacher's Name सरोज लकवाड़

Pupil Teacher's Roll No. 1425

Class आठवीं

Average Age of the pupils 13+

Subject हिन्दी शिक्षण

Topic शुल्क मॉफी के लिए प्रार्थना पत्र

अनुदेशनात्मक उद्देश्य

I

:- ① विद्यार्थी पत्र का अभिप्राय समझ पायेंगे।

② पत्र लिखने से परिचित होंगे।

II

① विद्यार्थी पत्र लिखने में अपनी कुशलता बढ़ा पायेंगे।

② विद्यार्थी अपने स्तर से शब्दों की प्रयोग करने की सामान्य जानकारी प्राप्त करेंगे।

III

:- ① विद्यार्थी पत्रों का प्रयोग अपने दैनिक जीवन में कर सकेंगे।

② विद्यार्थी पत्र लेखन में योग्य हो पायेंगे।

IV

:- ① विद्यार्थी पत्र लेखन में कुशल हो पायेंगे।

② विद्यार्थी पत्रों का सश्लेषण करने मे कुशल होंगे।

सामान्य सहायक सामग्री

विशिष्ट सहायक सामग्री :- पत्र लिखा हुआ चार्ट।

पूर्वज्ञान परीक्षण

प्रस्तावित प्रश्न	संभावित उत्तर
(1) बच्चों क्या आपने कभी किसी व्यक्ति को पत्र लिखा है?	हाँ।
(2) किसे लिखा था?	मित्र, रिश्तेदार आदि।
(3) क्या कभी विद्यालय में भी पत्र लिखना पड़ा है?	हाँ, छुट्टी के लिए पत्र लिखा है।
(4) क्या आपने फीस माफी के लिए पत्र लिखा है?	समस्यात्मक प्रश्न।

उद्देश्य कथन

आओ बच्चों आज हम फीस माफी के लिए पत्र लिखना सीखेंगे।

प्रस्तुतीकरण

...बिन्दु	शिक्षण विधि	छात्राध्यापिका क्रियाएँ
...शुल्क ...माँफी के ...लिए ...आवेदन	प्रदर्शन व व्याख्या विधि	सेवा में, श्रीमान प्रधानाचार्य जी, सर्वोदय राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कडकौ (रोहतक) हरियाणा यह पत्र का प्रारम्भिक भाग है इसमें हम जिस अधिकारी को पत्र लिखते है।
...मध्य ...भाग	प्रदर्शन व व्याख्या विधि	विषयः— "फीस माँफी के लिए प्रार्थना पत्र" महोदय, सविनय नम्र निवेदन है कि मैं राम S/o दीनू तिवारी आपके विद्यालय की कक्षा आठ मे पढता हूँ।

शिक्षण बिंदु	शिक्षण विधि	छात्र अध्यापिका क्रियाएँ
	व्याख्या विधि	मेरे पिताजी अत्यन्त गरीब हैं और हमारी आर्थिक स्थिति बहुत खराब है। उनकी मासिक आय एक हजार रुपया मात्र है।
संबंधित प्रश्न	प्रश्न – उत्तर विधि	प्रार्थना का विषय में क्या लिखा जाता है?
मुख्य समस्याएँ	प्रदर्शन व व्याख्या विधि	मेरे पिता जी अत्यन्त गरीब हैं, उनकी मासिक आय एक हजार रुपया मात्र है;

बिंदु	शिक्षण विधि	छात्रा अध्यापिका क्रियाएँ	क
मध्य भाग	व्याख्या विधि	जो एक चाय की दुकान चलाते हैं, जिसमें सबसे बड़ा मैं हूँ और मुझ से छोटे भाई बहन हैं। पिता की उम्र लगभग 45 वर्ष हो चुकी है, जो मजदूरी भी नहीं कर सकते हैं। मैं पढ़ाई में रुचि रखता हूँ।	
समापन		अतः महोदय पुनः आपसे आग्रह है कि मेरी गम्भीर समस्या को देखते हुए मेरी विद्यालय फीस माफ की जाए। आपकी अति कृपा होगी।	
आखिरी भाग	व्याख्या विधि	धन्यवाद. आपका आज्ञाकारी शिष्य नाम - राम कक्षा - 8 वीं 'अ' रोल नं० - 21	

मूल्यांकन

① पत्र के आरम्भ में क्या लिखा जाता है?

② पत्र के मध्य भाग में क्या लिखा जाता है?

③ पत्र में अपनी मुख्य समस्या क्यों दर्शानी चाहिए।

④ पत्र के अन्त में अपना नाम, रोलनं., व कक्षा क्यों लिखी जाती है?

गृहकार्य

① बच्चों सभी अपने घर से एक पत्र लिखकर लायेंगे।

② पत्र की विशेषता लिखकर लायेंगे।

LESSON No. 12

Date 27/2/15 Duration of the period 35 mint

Pupil Teacher's Name सरोज लकवाड़ Pupil Teacher's Roll No. 1425

Class आठवीं Average Age of the pupils 13+

Subject हिन्दी शिक्षण Topic व्याकरण – संधि

अनुदेशनात्मक उद्देश्य

I – ① विद्यार्थी दो या दो से अधिक शब्दों के परस्पर मेल के संबंध में जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

II ① विद्यार्थी दो या दो से अधिक शब्दों के परस्पर मेल को समझ सकेंगे।

III ① विद्यार्थी विभिन्न प्रकार के दो या दो से अधिक शब्दों का प्रयोग कर पाएंगे।

IV ① विद्यार्थी शब्दों के के मेल से उत्पन्न विकार को समझने में कुशल होंगे।

सामान्य ~~सहा~~ सहायक सामग्री

विशिष्ट **सहायक सामग्री :-** संधि का अर्थ, व प्रकार लिखि हुई सारणी।

पूर्वज्ञान परीक्षण

प्रस्तावित प्रश्न	संभावित उत्तर
[छा० आध्यापिका दैनिक जीवन में संबंधित उदाहरण तथा प्रश्न करेंगी]	
① क्या शब्दों का मेल होता है?	हाँ
② स्वर कितने होते है?	11
③ व्यंजन कितने होते है?	33
④ देवनगर किन दो शब्दो से मिलकर बना है?	देव + नगर
⑤ स्वर और व्यंजनो का मिलना क्या कहलाता है?	समस्यात्मक प्रश्न।

उद्देश्य कथन :- आओ बच्चो! आज हम स्वर व व्यंजनो के जोड के विषय मे जानेंगे।

प्रस्तुतीकरण

०बि०	शि० विधि	छात्र अध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएं
विधि	व्याख्या व प्रदर्शन विधि	"संधि शब्द का शाब्दिक अर्थ है मेल या मिलाप दूसरे शब्दों में हम कह सकते है कि जब दो या दो से अधिक वर्ण परस्पर मिलते है, तो उनके रूप में विकार आ जाता है। इसी रूपान्तर को संधि कहते है।	
संबंधित प्रश्न	प्रश्न-उत्तर विधि	संधि कहते है?	उत्तर- दो या दो से अधिक ध्वनियों के मेल के से जो विकार विकार उत्पन्न हो उसे संधि कहते है।
*		संधी केवल ध्वनियों के मध्य होती है शब्दों के मध्य नहीं। ध्वनियों का यह परिवर्तन पहली या दूसरी किसी भी ध्वनि में या दोनों में हो सकता है	

शि० विधि ✕ शि० बिन्दु		छात्र अध्यापिका क्रियाएँ
संधि के भेद	प्रदर्शन व व्याख्या विधि	संधि तीन प्रकार की होती है :— क) स्वर संधि ख) व्यंजन संधि ग) विसर्ग संधि
स्वर संधि	व्याख्या विधि	दो स्वरों के मेल से जो विकार उत्पन्न होता है, उसे स्वर संधि कहते हैं।
उदाहरण	—	① हिम + आलय = हिमालय ② शैल + ईश = शैलेश ③ महा + इंद्र = महेंद्र ④ वन + औषधि = वनौषधि
दीर्घ स्वर	व्याख्या	जब ह्रस्व और दीर्घ अ, इ, उ के पश्चात क्रमशः ह्रस्व या दीर्घ अ, इ, उ आए तो उसे दीर्घ संधि कहते हैं।

ि०बिंदु	शि० विधि	छात्र अध्यापिका क्रियाएँ
उदाहरण	—	① अ + अ = आ ② अ + आ = आ ③ भोजन + आलय = भोजनालय
गुण संधि	व्याख्या विधि	अ अथवा आ के आगे इ, ई उ, ऊ, ऋ के बाद ए या ओ आए तो गुण संधि कहलाते है। नर + इन्द्र = नरेन्द्र
वृद्धि संधि	व्याख्या विधि	अ तथा आ के बाद ए तथा ऐ आए तो ऐ हो जाता है। जैसे — सदा + एव = सदैव
अयादि संधि		ए, ऐ तथा ओ, औ का एक का आव हो जाता है। जैसे — पावक = पौ + अक
यण संधि		ई तथा इ के साथ इ या य हो जाता है। अति + आवश्यक = अत्यावश्यक
व्यंजन संधि		व्यंजन के बाद स्वर अथवा व्यंजन आने से जो परिवर्तन आता है उसे व्यंजन संधि कहते है। जैसे — सम् + ताप = संताप
[illegible] संधि		विसर्ग के बाद स्वर या व्यंजन आने से विसर्ग मे जो विचार होता है उसे विसर्ग संधि कहते है। जैसे :— निः + मल = निर्मल

मूल्यांकन

① संधि किसे कहते हैं?

② संधि कितने प्रकार की होती है?

③ स्वर संधि के कितने भेद होते हैं?

④ विसर्ग संधि किसे कहते हैं?

गृहकार्य

① स्वर संधि के उदाहरण लिखो।

② व्यंजन संधि व विसर्ग संधि के उदाहरण लिखो।

LESSON No. 13

Date 28/2/15 Duration of the period 35 मिनट

Pupil Teacher's Name सरोज लक्कड़ Pupil Teacher's Roll No. 1425

Class आठवीं Average Age of the pupils

Subject हिन्दी शिक्षण Topic वर्तनी विकार

अनुदेशनात्मक उद्देश्य

I

:- ① विद्यार्थी वर्तनी के विकारों से परिचित हो पाएँगे।

② विद्यार्थी वर्तनी विकारों को पहचान पाएँगे।

II

① अशुद्ध वर्तनी को शुद्ध कर पाएँगे।

② विद्यार्थी ध्वनियों की सार्थकता और निरर्थकता संबंधी ज्ञान पाएँगे।

III

① विद्यार्थी भाषा की शुद्धता का प्रयोग अपने दैनिक जीवन में कर पाएँगे।

IV

① शुद्ध वर्तनी लिख पाएँगे।

सामान्य सहायक सामग्री

विशिष्ट सहायक सामग्री:— सामान्य अशुद्धियों के शुद्ध रूपान्तरण का चार्ट।

पूर्वज्ञान परीक्षण

प्रस्तावित प्रश्न	संभावित उत्तर
① "रवी" शब्द शुद्ध है या अशुद्ध?	अशुद्ध है - रवि शुद्ध है।
② 'आति' शब्द का शुद्ध रूप बताओ।	आती।
③ 'मुनी' शब्द को शुद्ध करके लिखो।	मुनि।
④ 'आचरन' शब्द शुद्ध है?	नहीं आचरण शुद्ध है।
⑤ जिन शब्दों का प्रयोग लिखने, बोलने संकेत देने के लिए किया जाता है, उन्हे क्या कहते है?	समस्यात्मक प्रश्न

उद्देश्य कथन:— बच्चों! आज हम भाषा के शुद्ध और अशुद्ध रूपों पर चर्चा करेंगे तथा वर्तनी के विषय में जानेंगे।

प्रस्तुतीकरण

बिंदु	शि० विधि	छात्र अध्यापिका क्रियाएँ
र्तनी	व्याख्या विधि	"वर्तनी का शाब्दिक अर्थ है, वर्तन अर्थात् अनुवर्तन करना यानी पीछे-2 चलना। लिखने मे प्रायः वर्तनी शब्द स्तर पर शब्द की ध्वनियों का अनुवर्तन करती है। वर्तनी का लिखने में बडा महत्व है। हम भी प्रायः लिखने मे वर्तनी की अशुद्धियों से बचने का यही उपाय है कि हमें शुद्ध वर्तनी का ज्ञान हो।

साधारण अशुद्धियाँ

अशुद्धि	शुद्धि
मुनी	मुनि
साधू	साधु
छवी	छवि
अती	अति
रवी	रवि

शिक्षण बिन्दु	शिक्षण विधि	छात्रा अध्यापिका क्रियाएँ
संबंधित प्रश्न	प्रश्न - उत्तर विधि	बच्चों ! इस प्रकार के शुद्ध - अशुद्ध शब्द बताओ।
'त्र' की अशुद्धियाँ	प्रदर्शन व व्याख्या विधि	

अशुद्ध	शुद्ध
① पवित्	पवित्र
② पत्	पत्र
③ पत्का	पत्रिका
④ मात्र	मात्र
⑤ विचित्	विचित्र

संबंधित प्रश्न	प्रश्न - उत्तर विधि	निम्न शब्दों के के अशुद्ध व शुद्ध शब्दों अलग करो।

① यह (पवित्) जल है।
पवित्र

② (मात्र) 10 रु० है।
मात्र

० बिंदु	शि० विधि	छा० अध्यापिका क्रियाएँ	
		अशुद्धि	शुद्ध शब्द
ण' की शुद्धियाँ	प्रदर्शन व व्याख्या विधि	1. हरन	हरण
		2. आचरन	आचरण
		3. मरन	मरण
		4. शरन	शरण
		अशुद्ध	शुद्ध
' की अशुद्धियाँ	प्रदर्शन व व्याख्याविधि	1. करम	कर्म
		2. धरम	धर्म
		3. परव	पर्व
		4. शरम	शर्म
		अशुद्ध	शुद्ध
श, ष स की अशुद्धि	प्रदर्शन व व्याख्या विधि	1. हर्श	हर्ष
		2. शेश	शेष
		3. दोश	दोष
		4. कुषल	कुशल

मूल्यांकन

① 'वर्तनी' किसे कहते हैं?

② 'त्र' शब्द की चार अशुद्धियाँ क्या हैं?

③ 'र' शब्द की चार अशुद्धियाँ क्या हैं?

④ 'हर्ष' शब्द शुद्ध है या अशुद्ध है?

गृहकार्य

① वर्तनी की परिभाषा लिखिए।

② 'र' की दस अशुद्धियों को लिखें।

③ श, ष, स की दस अशुद्धियाँ लिखें।

LESSON No. 14

Date 9/3/15

Duration of the period 35 मिनट

Pupil Teacher's Name सरोज लकवाड़

Pupil Teacher's Roll No. 1425

Class सातवीं

Average Age of the pupils

Subject हिन्दी शिक्षण

Topic दोहे के दोहे

अनुदेशनात्मक उद्देश्य

I

① विद्यार्थी दोहे के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त कर पाएंगे।

② विद्यार्थी सूक्तिपरक वाक्यों का अर्थ समझने की योग्यता रख पाएंगे।

II

① विद्यार्थी दोहे में प्रयुक्त कठिन शब्दों का अर्थ समझने की योग्यता प्राप्त कर पाएंगे।

② विद्यार्थी दोहे द्वारा काव्य की भाषा में रसात्मकता का अनुभव करने के योग्य हो पाएंगे।

III

① विद्यार्थी हिन्दी साहित्य की उपयोगिता के संबंध में दोहे द्वारा बताई गई जानकारी अपने जीवन में प्रयोग कर सकेंगे।

IV

① विद्यार्थी भाषा के आधार पर भिन्न-2 वाक्यों का मूल्यांकन कर सकेंगे।

सामान्य सहायक सामग्री

विशिष्ट सहायक सामग्री :- * रहीम के दोहे लिखा चार्ट।

पूर्वज्ञान परीक्षण

प्रस्तावित प्रश्न	संभावित उत्तर
[छा० अ० बच्चों से दैनिक जीवन से संबंधित प्रश्न करते हुए]	
① क्या आपने रहीम जी का नाम सुना है?	हाँ
② रहीम जी क्या लिखते थे?	दोहे
③ क्या आपको रहीम जी का कोई दोहा याद है?	समस्यात्मक प्रश्न

उद्देश्य कथन :- आओ बच्चों आज "रहीम के दोहे" पाठ से दोहे पर चर्चा करेंगे।

प्रस्तुतीकरण

बिंदु	शि० विधि	छा० अध्यापिका क्रियाएँ
कहि रहीम सम्पत्ति सगे, बनत बहुत बहु रीत विपत्ति कसौटी जे कसे तेई साँचे मीत।	आदर्श वाचन व व्याख्या विधि	छा० अध्यापिका बच्चों को पाठ्य पुस्तक में से रहीम के दोहे को पढ़ कर सुनाएँगी एवं दोहे का सरलार्थ करेंगी। रहीम दास कहते है कि व्यक्ति के पास यदि रुपया या किसी भी प्रकार की धन सम्पत्ति विद्यमान रहती है तो सभी अपने सगे संबंधियों जैसा व्यवहार करने लगते है। लेकिन सच्चा मित्र वही कहलाता है जो वास्तव मे विपत्ति के समय साथ देता हो वही सच्चा और अस्तित्ववान व्यक्ति होता है

शिक्षण बिन्दु	शिक्षण विधि	छात्र अध्यापिका क्रियाएँ	
संबंधित प्रश्न	प्रश्न - उत्तर विधि	① रहीम जी ने सच्चा मित्र किसे बताया है?	उत्तर - रहीम जी ने सच्चा मित्र उसे बताया है जो वास्तव में विपत्ति के समय साथ दें।
तऊ न छाँड़ति छोह	आदर्श वाचन व व्याख्या	रहीम दास जी एक ऐसे मित्र का उदाहरण प्रस्तुत कर रहे है, जो ऐसी साथी के वियोग में अपना प्राण त्याग दे और उसका साथी परवाह किए बिना उसका साथ छोड़ने के लिए तैयार हो जाता है। इस लिए पुनः रहीम कहते हैं, कि मछली जब जाल में फँस जाती है तो पानी उसका साथ छोड़कर	

शि० बिंदु	शि० विधि	छात्र अध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	चॉक बोर्ड कार्य
		आगे बढ़ जाता है। अर्थात् ऐसा मित्र किस काम का जो विपत्ति में काम ही ना आ सका।		
संबंधित प्रश्न	प्रश्न-उत्तर विधि	बहिन जी किस प्रकार के मित्र का उदाहरण प्रस्तुत कर रहे हैं?	उत्तर- ऐसा मित्र जो साथी के वियोग में प्राण त्याग दें।	
विशेषता	व्याख्या विधि	प्रस्तुत दोहे में एक सच्चे दोस्त की विस्तारपूर्वक व्याख्या की गई है।		
संबंधित प्रश्न	प्रश्न-उत्तर विधि	① सम्पत्ति के समय कौन साथ देता है?	उत्तर- सम्पत्ति के समय सभी सम्बन्धी सभी साथ देते हैं।	

मूल्यांकन

① सम्पत्ति और संग का क्या अर्थ है?

② सच्चा मित्र कैसा होना चाहिए?

③ किसकी कसौटी ली गई है?

④ सच्चे मित्र की किस विशेषता को दर्शाया गया है?

गृहकार्य

① विद्यार्थी होनो पढ़ाए गए दोहो का अर्थ स्पष्ट करके तथा याद करके आए।

② सच्चे मित्र की पहचान क्या है?

LESSON No. 15

Date 10/3/15

Duration of the period 35 मि०

Pupil Teacher's Name सरोज लकवाड़

Pupil Teacher's Roll No. 1425

Class सातवीं

Average Age of the pupils 12+

Subject हिन्दी शिक्षण

Topic चिट्ठियों की अनुठी दुनिया

अनुदेशनात्मक उद्देश्य

I

(1) विद्यार्थी पत्र व्यवहार के बारें में जानकारी प्राप्त कर पाएँगे।

(2) विद्यार्थी पत्र व्यवहार से संबंधित ज्ञान प्राप्त कर पाएँगे।

II

(1) विद्यार्थी पत्र को विभिन्न प्रकार से बदलते हुए दूसरे रूप से उसकी उपयोगिता रख पाएँगे।

(2) विद्यार्थी पत्र का रूप मोबाईल, ई-मेल, तथा फैक्स के रूप में जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

III

① विद्यार्थी पत्र मोबाइल तथा ई-मेल आदि का प्रयोग दैनिक जीवन में कर पाएंगे।

② विद्यार्थी चिट्ठियों के लिखे जाने के कारण आसानी से जान

③ विद्यार्थी चिट्ठियों का दैनिक जीवन मे प्रयोग करके उसकी उपयोगिता समझने के योग्य हो पाएंगे।

IV

① विद्यार्थी पत्र और आधुनिक साधनों मे अंतर स्पष्ट करने के योग्य हो जाएंगे।

V

:- चिट्ठियों के नमुने।

पूर्वज्ञान परीक्षण :- बच्चो ने दैनिक जीवन मे पत्र से संबंधित प्रयोग जानते है।

प्रस्तावना :-

प्रस्तावित प्रश्न	संभावित उत्तर
① (छा० अध्यापिका पत्र दिखाते हुए) यह क्या है?	पत्र
② क्या आपको पता है कि हम पत्र किसको लिखते हैं?	मित्रो, रिश्तेदारो को
③ शतेन्द्र बीमार था, इसकी सूचना उसने किसके माध्यम से अपने घर पहुँचाई	पत्र से।
④ चिट्ठियों के विषय में आप और क्या जानते हैं?	समस्यात्मक/संभावित उत्तर

उद्देश्य कथन :-

बच्चों आज हम पत्रों पर चर्चा करेंगे तथा चिट्ठियों की "अनूठी दुनिया" के बारे में पढ़ेंगे।

प्रस्तुतीकरण

शि० बिंदु	शि० विधि	छात्र अध्यापिका क्रियाएँ	छा० क्रियाएँ
चिट्ठियों की अनूठी दुनिया	व्याख्या विधि	किसी व्यक्ति अथवा संस्था द्वारा अपने विचारों के आदान - प्रदान के लिए लिखित दस्तावेज चिट्ठी कहा जाता है।	
संबंधित प्रश्न	प्रश्न - उत्तर विधि	चिट्ठी किसे कहते हैं?	उत्तर - विचारों के आदान - प्रदान के लिए लिखित दस्तावेज।
चिट्ठियों के प्रकार	प्रदर्शन व व्याख्या विधि	मुख्यतः चिट्ठियाँ दो प्रकार की होती हैं:- (क) राजपत्रित (ख) अराजपत्रित	
संबंधित प्रश्न	प्रश्न विधि	चिट्ठियाँ कितने प्रकार की होती हैं? नाम बताइए।	चिट्ठियाँ दो प्रकार की होती हैं - (क) राजपत्रित (ख) अराजपत्रित चिट्ठियाँ

बिंदु	शि० विधि	छात्र अध्यापिका क्रियाएँ	
राजपत्रित चिट्ठियाँ	व्याख्या विधि	राजपत्रित पत्र वह पत्र होता है जिनको राजकीय दस्तावेज आते हैं।	
संबंधित प्रश्न	प्रश्न-उत्तर विधि	राजपत्रित चिट्ठियाँ कौन सी होती है?	उत्तर- राजकीय दस्तावेजों को राजपत्रित चिट्ठी कहते हैं।
अराजपत्रित चिट्ठियाँ	व्याख्या विधि	अराजपत्रित वे सभी प्रकार के पत्र व्यवहार के दस्तावेज आ जाते हैं, जो राजकीय काम के लिए प्रयुक्त न किए गए हैं।	
संबंधित प्रश्न-	प्रश्न-उत्तर विधि	अराजपत्रित चिट्ठियाँ कौन -सी होती है?	उत्तर- राजकीय काम के लिए प्रयुक्त न किए जाते हैं।
चिट्ठियों के नाम	व्याख्या विधि	चिट्ठी के विभिन्न भाषाओं के नाम निम्न है:- क) अंग्रेजी में लेटर ख) उर्दू में खत ग) तेलगु में उत्तरम घ) कन्नड में कागद	

मूल्यांकन

(1) उर्दू मे चिट्ठी को क्या कहते हैं?

(2) चिट्ठियों की अनूठी दुनिया किस ने लिखा?

(3) क्या पत्र का स्थान एस॰ एम॰ एस॰ ले सकते हैं?

गृहकार्य

(1) अपने मित्र को अपने जन्मदिवस पर आमंत्रित करने के लिए लिए चिट्ठी लिखो।

Ashok

LESSON No. ...16....

Date ...10/3/15... Duration of the period ...35 मिनट...

Pupil Teacher's Name ...सरोज लकवाडु... Pupil Teacher's Roll No. ...1425...

Class ...आठवीं... Average Age of the pupils ...13+...

Subject ...हिन्दी... Topic ...अलंकार...

अनुदेशनात्मक उद्देश्य

I – ① अंलकार का अर्थ बता पाएंगे।

② अंलकार की पहचान कर पाएंगे।

③ विद्यार्थी अंलकार के भेदो के नाम बता पाएंगे।

II – ① अंलकार को भेदो के आधार पर वर्गीकृत कर पाएंगे।

② अंलकार के उदाहरण बता पाएंगे।

III – ① दैनिक जीवन में अलकारों का प्रयोग कर पाएंगे।

IV – ① अंलकृत भाषा लिखने का कौशल प्राप्त कर पाएंगे।

सामान्य सहायक सामग्री

विशिष्ट **सहायक सामग्री :-** अलंकारो का चार्ट।

पूर्वज्ञान परीक्षण

छा० अध्यापिका क्रियाएँ	छा० क्रियाएँ
(1) प्रत्येक व्यक्ति अपने आप को अच्छा देखना चाहेगा?	हाँ
(2) स्त्रियाँ अपनी सुन्दरता बढाने के लिए किन-किन चीजों का प्रयोग करती है?	तरह-तरह के कपड़े; चूड़ियाँ मेहन्दी, काजल इत्यादि।
(3) क्या भाषा मे सुन्दरता लाई जा सकती है?	हाँ
(4) भाषा मे सौन्दर्य कैसे उत्पन्न किया जाता है?	समस्यात्मक प्रश्न

उद्देश्य कथन :- आओं बच्चो! आज हम भाषा मे सौन्दर्यता को बढाने के तरीके जानेंगे।

प्रस्तुतीकरण

शि० बिंदु	शि० विधि	छा० अध्यापिका क्रियाएँ	छा०
अलंकार	प्रदर्शन व व्याख्या विधि	अलंकार में अलम् + कार दो शब्द है। अलम का अर्थ है - आभूषण। जो अलंकृत करे वही अलंकार है। अलंकार सौन्दर्य का साधन है। जिस प्रकार आभूषण नारियों का श्रृंगार होते है उसी प्रकार साहित्य मे शब्दों और अर्थों मे चमत्कार लाने वाले तत्व अलंकार है।	
प्रश्न	प्रश्न-उत्तर विधि	(1) अलंकार का क्या अर्थ होता है?	उत्तर - अलंकार का अर्थ है आभूषण या गहने।
अलंकार के प्रदान	प्रदर्शन विधि	अलंकार दो प्रकार के होते है :- (1) अर्थ अलंकार	

शिक्षण बिंदु	शिक्षण विधि	छा० अध्यापिका क्रियाएँ	छा० क्रियाएँ	ब्लैक बोर्ड
		② अर्थ अलंकार		
संबंधित प्रश्न	प्रश्न उत्तर विधि	① अलंकार कितने प्रकार के होते है?	उत्तर - अलंकार दो प्रकार के होते है। ① अर्थालकर ② शब्दालंकार	
शब्दालंकार	व्याख्या विधि	जहाँ विशिष्ट शब्दों का प्रयोग करके भाषा में सुन्दरता आ जाती है। वहाँ शब्द अलंकार होता है।		
भेद शब्दालकार के प्रकार	प्रदर्शन विधि	शब्दालंकार के तीन प्रकार है:— ① अनुप्रास अलंकार ② यमक अलंकार ③ श्लेष अलंकार		

शि॰ बिंदु	शि॰ विधि	छात्र अध्यापिका क्रियाएँ	
संबंधित प्रश्न	प्रश्न उत्तर विधि	① शब्दालंकार के कितने प्रकार होते है?	उत्तर – 3 प्रकार है ① अनुप्रास ② यमक ③ श्लेष अलंकार
अनुप्रास अलंकार	व्याख्या विधि	अनुप्रास अलंकार :— किसी वर्ण की बार-2 आवृत्ति होने, अनुप्रास अलंकार होते है। उदाहरण – ① रघुपति राघव राजा राम। 'र' वर्ण की आवृति।	
यमक अलंकार	व्याख्या विधि	कोई एक ही शब्द बार-2 आए परंतु अर्थ हर बार भिन्न हो। उदाहरण – कनक-कनक तै सौ गुनी। कनक-सोना, कनक-धतूरा	
श्लेष अलंकार	व्याख्या विधि	शब्द का प्रयोग एक बार हो पर अर्थ अलग-2 हो। उदाहरण – सुवरन को खोजत फिरत, कवि, व्याभिचारी चोर	

Less than 50%

मूल्यांकन

① अलंकार किसे कहते हैं?

② अलंकार के कितने भेद होते हैं?

③ अनुप्रास अलंकार किसे कहते हैं? उदाहरण दीजिए।

④ यमक अलंकार किसे कहते हैं? उदाहरण दीजिए।

⑤ श्लेष अलंकार किसे कहते हैं?

गृहकार्य

① अलंकार की परिभाषा लिखिए।

② शब्दालंकार क्या है?

③ भाषा की सुन्दरता किससे बढ़ती है?

④ यमक अलंकार का उदाहरण लिखिए।

LESSON No. ...17....

Date 10/3/15 | Duration of the period 35 मिनट

Pupil Teacher's Name सरोज लकवाड़ | Pupil Teacher's Roll No. 1425

Class 6 | Average Age of the pupils

Subject हिन्दी शिक्षण | Topic "समश्रुत भिन्नार्थी शब्द"

अनुदेशनात्मक उद्देश्य

I
(1) भिन्नार्थी शब्दों की परिभाषा सिख पाएँगी।

(2) भिन्नार्थी शब्दों को पहचान पाएँगी।

II
:- (1) भिन्नार्थी शब्दों का उच्चारण सही ढंग से कर पाएँगी।

III
(1) भिन्नार्थी शब्दों के अर्थ के अनुरूप प्रयोग कर पाएँगी।

IV
(1) भिन्नार्थी शब्दों का मूल्यांकन कर पाएँगी।

सहायक सामग्री :-

फ्लैश कार्ड, भिन्नार्थी शब्द का चार्ट

पूर्वज्ञान परीक्षण

प्रस्तावित प्रश्न	संभावित उत्तर
① क्या अध्यापिका बच्चों से चार्ट पर लिखे शब्दों को पढवाएँगी	बच्चें पढ़ेंगे।
② बच्चो! ये शब्द आप को पढने में कैसे लगे ?	एक समान
③ क्या इनमें कोई भिन्नता है?	मात्राओं की।
④ क्या आप इनमें और कोई भिन्नता बता सकते है?	समस्यात्मक प्रश्न

उद्देश्य कथन

आओ! बच्चों आज हम इन समश्रुति परंतु भिन्नार्थी शब्दों के विषय में पढ़ेंगे।

प्रस्तुतीकरण

शि० बिंदु	शि० विधि	छा० अध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ	
भिन्नार्थी शब्द की परिभाषा	व्याख्या विधि प्रदर्शन विधि	छा० अध्यापिका बच्चों से चार्ट पर लिखे शब्दों को पढवाएँगी जैसे- आदि - आदी, मैं - मै, हरि - हरी, कर्ण - करण, उपकार - अपकार	बच्चे समश्रुति शब्दों को पढेंगे।	
प्रश्न	—	① बच्चों ये शब्द पढने में कैसे लगे?	एक जैसे लगे।	
		बिल्कुल ठीक...! ये शब्द पढने में एक जैसे ही है परन्तु इनमें कुछ अन्तर है क्या आप मे से कोई बता सकता है क्या अन्तर है?	मात्राओं का अन्तर है।	
		बिल्कुल ठीक एक अन्तर मात्राओ का है।		
		दूसरा अन्तर - यह है कि इन एक समान दिखने व बोले जाने वाले शब्दो का अर्थ		

शिक्षण बिन्दु	शि० विधि	छा० अध्यापिका क्रियाएं
		अलग - अलग है। ऐसे शब्दों को ही भिन्नार्थी शब्द कहते है।
शब्द व अर्थ	व्याख्या व प्रदर्शन विधि	छात्र अध्यापिका चार्ट पर लिखे सभी शब्दों का संकेतक ही सहायता से सही उच्चारण करेंगी तथा उनका अर्थ बताईगी जैसे - ① आदि - आदी
शब्द व अर्थ	उदाहरण -	② आदी - आदत * आदि - आरंभ
शब्द व अर्थ।	प्रदर्शन विधि	② हरि - हरी हरि - प्रभु, भगवान हरी - हरे रंग की वस्तु

बिंदु	शि० विधि	छा० अध्यापिका क्रियाएँ	
वाचन स्पष्टीकरण	प्रश्न - उत्तर विधि	छात्र अध्यापिका चार्ट पर लिखे शब्दों का उच्चारण छात्रों से करवाएंगी। छा० अध्यापिका बच्चों की अशुद्धियों में सुधार करेंगी।	
वाचन स्पष्टीकरण	प्रश्न - उत्तर विधि	छात्र अध्यापिका बच्चों से प्रश्न पूछेंगी — ① कल्पना व कलपना का क्या अर्थ है? ② क्षति - क्षति मे क्या अन्तर है? ③ कर्ण व करण का क्या अन्तर है?	उत्तर - ① कल्पना - नई सोच कलपना - दुखी करना ② क्षति - हानि क्षति - दुखी। कर्ण - कान करण - कारक है।

मूल्यांकन

① भिन्नार्थी शब्द किसे कहते हैं?

② भिन्नार्थी शब्दो 5 उदाहरण दो।

③ आदि - आदी, क्षति - क्षती, हरि - हरी का अर्थ बताओ?

④ भिन्नार्थी शब्दो में क्या समानता होती है?

गृहकार्य

10 भिन्नार्थी शब्दों की सूची अर्थसहित लिख कर लाओ।

LESSON No. ...18...

Date 11/3/15 | Duration of the period 35 मिनट

Pupil Teacher's Name सरोज लकवाद् | Pupil Teacher's Roll No. 1425

Class 6 | Average Age of the pupils 11-12

Subject हिन्दी शिक्षण | Topic समानार्थी शब्द

अनुदेशनात्मक उद्देश्य

I :- ① पाठोपरान्त विद्यार्थी समानार्थी शब्द की परिभाषा बता पाएँगे।

② पर्यायवाची शब्दों की पहचान कर पाएँगे।

II i) पर्यायवाची शब्दों के उदाहरण दे पाएँगे।

ii) विद्यार्थी पर्यायवाची शब्दों को वर्गीकृत कर पाएँगे।

III i) पर्यायवाची शब्दों का प्रयोग विद्यार्थी अपने दैनिक जीवन में कर पाएँगे।

IV :- पर्यायवाची पर्यायवाची शब्दों का मूल्यांकन कर पाएँगे।

• सामान्य सहायक सामग्री -

विशिष्ट सहायक सामग्री :- पर्यायवाची शब्दों का चार्ट।

पूर्वज्ञान परीक्षण

प्रस्तावित प्रश्न	संभावित उत्तर
① छा० फ्लैश कार्ड दिखाकर वर्षा होने वाली है। था	छा० फ्लैश कार्ड से पढ़ेंगे बारिश होने वाली है।
② यहाँ दूसरे वाक्य में वर्षा के लिए क्या शब्द प्रयोग किया गया?	बारिश
③ क्या बारिश शब्द से वाक्य के अर्थ मे कोई परिवर्तन आया?	नहीं
④ इसी प्रकार हम पानी के लिए दूसरा क्या शब्द प्रयोग कर सकते है?	जल
⑤ क्या आप बता सकते है कि एक ही अर्थ बताने वाले इन शब्दों को व्याकरण मे क्या कहते है?	समस्यात्मक प्रश्न

उद्देश्य कथन :- आओ बच्चों आज हम पर्यायवाची शब्दों के विषय में पढ़ेंगे।

प्रस्तुतीकरण

शि॰बिंदु	शि॰ विधि	छा॰ अध्यापिका क्रियाएँ
पर्यायवाची शब्दों से पहचान	वार्तालाप विधि	छा॰ अध्यापिका एक वाक्य बोलेंगी — * गाँधी जी सदा - सत्य बोलते थे। * गाँधी जी हमेशा सच बोलते थे। यहाँ सदा, हमेशा व सत्य और सच एक दूसरे के समानार्थी हैं।
पर्यायवाची शब्द	व्याख्या एवं वार्तालाप विधि	इन शब्दों को पर्यायवाची या समानार्थी शब्द कहते हैं। समानार्थी यानी समान अर्थ बताने वाले शब्द

शि० बिन्दु	शि० विधि	छात्र अध्यापिका क्रियाएं
परिभाषा	वर्तालाप विधि	परिभाषा :— जो शब्द समान अर्थ बताते है या एक ही अर्थ को बताने वाले शब्दों को समानार्थक या पर्यायवाची शब्द कहते है। जैसे — पुत्र — बेटा, सुत — नन्दन अतः ये शब्द आपस में समानार्थक है। छा० अध्यापिका परिभाषा को श्यामपट्ट पर लिखेंगी।
पर्यायवाची शब्दो का अभ्यास कराना।	प्रदर्शन विधि	छा० अध्यापिका चार्ट दिखाकर बच्चो से इन शब्दों और उनके अर्थ को पढने के लिए कहेंगी। जैसे :— ① मानव :— मनुष्य, आदमी ② शत्रु :— दुश्मन, वैरी। छा० अध्यापिका कुछ वाक्य लिखेंगी और रेखांकित शब्दों के पर्यायवाची शब्दो का

०बिंदु	शि० विधि	छा० अध्यापिका क्रियाएं
अभ्यास	छात्र सहभागिता छात्र विधि	प्रयोग करके छात्रों को वाक्य दोबारा लिखने को कहेंगी। जैसे:– ① ईश्वर ने मनुष्य को बुद्धिमान बनाया है। ② प्रातः होने पर सूर्य निकलता है।
इन शब्दों से अर्थ से पहचान कराना	खेल विधि खेल विधि	छा० अ० कक्षा को दो टीमों मे बाँटेगी और एक-2 करके कुछ पर्यायवाची शब्दों के फ्लैश कार्ड श्यामपट्ट पर चिपकाएँगी तथा किसी भी एकटीम के छात्र से पर्यायवाची शब्द का अर्थ ढूंढकर चिपकाने को कहेंगी इसी प्रकार खेल आगे बढ़ेगा, प्रत्येक टीम को सही अर्थ के 5 अंक मिलेंगे। इसी प्रकार छात्र कुछ पर्यायवाची शब्द सीखेंगे। अध्यापिका बच्चों को इसी प्रकार के शब्द सोचने को कहेंगी जिनके 5 पर्यायवाची शब्द छात्रों को ढूंढने या सोचने होंगे।

मूल्यांकन

① पर्यायवाची शब्दों को परिभाषित करो पाएँगे।

② उचित समानार्थी शब्द चुनकर खाली स्थान मे लिखो।

① सूर्य _____ (दिवाकर, राकेश)

② बगीचा _____ (वन, उपवन)

गृहकार्य

* उचित जोड़ी मिलाओ —

बादल	वारि
चाँद	पवन
समुद्र	कुजन
वायु	जलधर
वन	राकेश
सूर्य	जलधि
जल	भूमि
पृथ्वी	सूरज

LESSON No. 19

Date 12/3/15 | Duration of the period 30 मि०

Pupil Teacher's Name सरोज लकड़ा | Pupil Teacher's Roll No. 1425

Class 6 | Average Age of the pupils 11-12

Subject हिन्दी शिक्षण | Topic निबंध "दीपावली दियो का त्यौहार

अनुदेशनात्मक उद्देश्य

I

:- ① विद्यार्थी भाषा के व्याकरण पक्ष का ज्ञान हो पाएँगे।

② निबंध पढ़कर अर्थ ग्रहण करने की योग्यता विकसित हो पाएँगी।

II

:- ① विद्यार्थी निबंध को पढ कर समझ पाएँगे

② निबंध लिखने में सक्षम हो पाएँगे।

III

① किसी बात को संक्षिप्त व विस्तृत रूप से कहने की योग्यता विकसित कर पाएँगी।

IV

① निबंध पढ़कर अर्थ ग्रहण करने की योग्यता का विकास कर पाएँगे।

सामान्य सहायक सामग्री

विशिष्ट सहायक सामग्री :- दीपावली पर लिखा हुआ निबंध चार्ट।

पूर्वज्ञान परीक्षण

प्रस्तावित प्रश्न	संभावित उत्तर
① दीया दिखाते हुए यह क्या है?	दीया।
② दीये हम कब जलाते हैं?	दीपावली पर।
③ हम दीपावली कब मनाते हैं?	संभावित उत्तर
④ हम दीपावली क्यों मनाते हैं?	क्योंकि इस दिन भगवान राम 14 वर्ष के वनवास के बाद अयोध्या आए।
⑤ क्या आप दीपावली पर निबंध लिख सकते हैं?	समस्यात्मक प्रश्न

उद्देश्य कथन :- आओ बच्चों आज हम दीपावली पर निबंध लिखना सीखेंगे।

प्रस्तुतीकरण

शि॰बिंदु	शि॰विधि	छात्र अध्यापिका क्रियाएँ
मौखिक अभिव्यक्ति	वार्तालाप व वाचन विधि	छात्र अध्यापिका बच्चों को बतायेंगी कि बच्चों निबंध में अपने विचारों की अभिव्यक्ति करते हैं। छात्र अध्यापिका श्यामपट्ट पर दीपावली का निबंध लिखना प्रारम्भ करेंगी।
निबंध की भूमिका	वाचन व व्याख्या विधि	छा॰ आ॰ दीपावली निबंध की भूमिका लिखते हुए बतायेंगी कि निबंध लिखने से पहले उसकी भूमिका लिखते हैं। भूमिका:— भारत त्यौहारों का देश है। यहाँ दीपावली, दशहरा ईद दुर्गादि त्यौहार बड़ी धूमधाम से मनाए जाते हैं। दीपावली हिन्दुओं का पवित्र व सबसे बड़ा त्यौहार है।

शिक्षण बिंदु	शि० विधि	छात्र अध्यापिका क्रियाएँ
भूमिका	व्याख्या विधि	पूरे भारत में मनाया जाता है। दीपावली - दीप + आवली दो शब्दों से बना है जिसका अर्थ है, दीपों की लाइन यह त्यौहार कार्तिक मास के अमावस्या को मनाया जाता है।
संबंधित कहानियाँ	व्याख्या विधि	दीपावली से संबंधित कहानियाँ:- दीपावली के इस मधुर पर्व के साथ अनेक कहानियाँ जुड़ी है, प्रमुख कथा तो भगवान राम की है। इस दिन भगवान श्री रामचन्द्र जी लंका विजय करने के बाद अयोध्या वापिस लौटे थे। लोगों ने इस दिन अपने घरों में दीप जलाकर और मिठाइयाँ बाँटकर खुशियाँ मनाई थी। इसी दिन स्वामी रामतीर्थ, स्वामी दयानंद तथा महावीर स्वामी को निर्वाण प्राप्त हुआ था।

शि॰ बिंदु	शि॰ विधि	छात्र अध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएँ
		यह त्यौहार देश के कोने 2 में बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है।	
महत्व	व्याख्या विधि	महत्व :— दीपावली स्वच्छता का भी प्रतीक है। लोग घरों की सफाई करते हैं। बाजार अतिशबाजी व पटाखों से भरे रहते हैं। दीपावली वर्षा ऋतु की समाप्ति पर आती है वर्षा ऋतु में कीटाणु घरों में अपना घर बना लेते हैं इसी बहाने लोग वर्ष भर में एक बार पूरे घर की सफाई करते हैं।	
उपसंहार	व्याख्या विधि	उपसंहार — दीपावली खुशियों व हर्ष का त्यौहार है। यह त्यौहार हमें भगवान राम, स्वामी दयानंद, महावीर स्वामी की याद दिलाता है। हमें उनके आदर्शों का आदर करते हुए उन पर चलने का प्रयास करना चाहिए। इस दिन बहुत से लोग जुआ खेलते हैं शराब पीते हैं यह गलत है अतः दीपावली को खुशी से मनाएं।	

मूल्यांकन

① दीपावली कब मनाते हैं?

② दीवावली से संबंधित और कौन सी कहानी है?

③ दीपावली का क्या महत्व है?

गृहकार्य

इसी प्रकार आप किसी अन्य त्यौहार पर निबंध लिखो।

LESSON No. 20

Date 12/3/15 | Duration of the period 35 मिनट

Pupil Teacher's Name सरोज बकवाड | Pupil Teacher's Roll No. 1425

Class 6 | Average Age of the pupils 11-12

Subject हिन्दी शिक्षण | Topic स्वास्थ्य अधिकारी को पत्र

अनुदेशनात्मक उद्देश्य

I

① अपनी बात को स्पष्ट और संक्षिप्त रूप मे लिख पायेंगे।

② वे मौखिक व लिखित रूप से अपने भाव व्यक्त कर पायेंगे।

II

① विद्यार्थी अधिकारियों के लिखे जाने वाले पत्र के विभिन्न अंगो संबोधन, प्रशक्ति, मुख्य विषय, सम्बन्ध सूचक शब्द, पता आदि लिख पायेंगे।

III

विद्यार्थी दैनिक जीवन में पत्र लिखने का प्रयोग कर पायेंगे।

IV

१- पत्र लेखन का मूल्यांकन कर पायेंगे।

सामान्य सहायक सामग्री

निर्दिष्ट **सहायक सामग्री:-** पत्र लिखा हुआ चार्ट।

पूर्वज्ञान परीक्षण

प्रस्तावित प्रश्न	संभावित उत्तर
① तुम किस क्षेत्र में रहते हो?	संभावित उत्तर।
② वहाँ सफाई की व्यवस्था कौन करता है?	M·C·D के कर्मचारी
③ यदि वहाँ सफाई की व्यवस्था ठीक न हो तो तुम इसकी शिकायत किस से करोगे?	स्वास्थ्य अधिकारी को।
④ स्वास्थ्य अधिकारी को पत्र लिखने की क्या विधि है?	समस्यात्मक प्रश्न

उद्देश्य कथन आओ बच्चो आज हम स्वास्थ्य अधिकार को पत्र लिखना सिखेंगे।

प्रस्तुतीकरण

शि० बिंदु	शि० विधि	छा० अध्यापिका क्रियाएँ	छात्रक्रियाएँ	[illegible]
पत्र किसे भेजना है		छा० आ० बच्चों से पूछेगी यह पत्र किसके पास भेजना है? चार्ट दिखाते हुए- ① उस अधिकारी का नाम?		
		प्र० यह औपचारिक पत्र है या अनौपचारिक?	उत्तर- औपचारिक पत्र है।	
अधिकारी का नाम	प्रश्न उत्तर विधि	प्र०२ क्या आप उस अधिकारी को जानते है जिसे पत्र लिखा जा रहा है?	नहीं।	
सम्बोधन प्रशस्ति		चार्ट दिखाते हुए---! सरकारी पत्रो में अधिकारियो को किस प्रकार सम्बोधित के बाद विस्मयादि बोधक चिह्न लगाया जाता है।		
	प्रश्न-उत्तर विधि	① आप कहाँ रहते है? जगह का नाम बताइए?	बच्चे अपनी बस्ती का नाम बतायेंगी	

शिक्षण बिंदु	शि० विधि	छा० अध्यापिका क्रियाएं	छा० क्रियाएँ	चॉक बोर्ड क
पत्र का मुख्य विषय (क) निवास स्थान का नाम (ख) निवेदन दुःख के साथ सूचना सफाई की स्थिति खराब है। (ग) गन्दगी की दशा।	छा० अनुभागिता विधि प्रश्न -उत्तर विधि	(1) छात्र अध्यापिका बच्चों से आप क्या सूचना देना चाहते हो। (2) यह सूचना आपको खुशी दे रही है या दुख। (3) आपके इलाके मे किस तरह की गन्दगी है? (4) आपके क्षेत्र मे गन्दगी क्यो है? – सफाई कर्मचारियो की लापरवाही के कारण बहुत दिनो से ठीक से सफाई नही हुई लापरवाही पूर्ण है। (5) कर्मचारियो का दृष्टिकोण कैसा है?	बच्चे अपनी बस्ती का नाम बताएँगे हम दुख के साथ यह सूचित करना चाहते है कि हमारे इलाके मे सफाई की स्थिति बहुत खराब है जगह-2 गन्दगी के ढेर है। गड्ढो मे बदबूदार पानी है जो सड गया। नालियो व सीवर की हालत बडी खराब है मच्छरो व मक्खियो की भरमार है।	

शी० बिन्दु	शि० विधि	छात्र अध्यापिका क्रियाएँ	छा० क्रियाएं
जिन्दगी से खतरा	प्रश्न -उत्तर विधि	⑥ आप की जिन्दगी पर क्या असर पड़ रहा है?	उत्तर- जिन्दगी के कारण सांस लेना मुश्किल है, डेंगू, मलेरिया जैसी बिमारियाँ फैल रही है।
		⑦ आप क्या निवेदन करना चाहते हैं?	
		उत्तर- सबसे पहले इलाके का दौरा कर लिया जाएँ त स्थिति को स्वंय देखें फिर सफाई कर्मचारियों से सफाई अभियान चलवाएँ जाए।	
समापन	व्याख्या विधि	पत्र के समापन मे आप भवदीय का प्रयोग करेंगे क्योंकि अधिकारी आपका परिचित नहीं है। अन्त में दायीं ओर अपना नाम व पता लिखेंगे। अगली लाइन में आप जिस तिथि को पत्र लिखा है वह तिथि लिखेंगे। अध्यापिका पूरे पत्र को श्यामपट्ट पर लिखेंगी व समझाएँगी।	

मूल्यांकन

① आप ने किस प्रकार का पत्र लिखा है?

② यह पत्र क्षेत्रीय स्वास्थ्य अधिकारी को क्यो लिखा गया?

③ आपकी बस्ती मे गन्दगी की स्थिति कैसी है?

गृहकार्य

इसी पत्र को पढ़कर व बस्ती की सहायता, स्वास्थ्य अधिकारी को नालियों की दशा के बारे मे पत्र लिखो।

DISCUSSION LESSON

LESSON No. 2

Date 3/3/15 | Duration of the period 35 मिनट

Pupil Teacher's Name सरोज लकवाड़ | Pupil Teacher's Roll No. 1425

Class आठवीं | Average Age of the pupils 13+

Subject हिन्दी शिक्षण | Topic सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'

अनुदेशनात्मक उद्देश्य

I

① विद्यार्थी सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' के नाम से सामान्य रूप से परिचित हो पाएँगे।

II

② विद्यार्थी कवियों की जीवनी, व्यक्तित्व कृतित्व के सामान्य ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

III

① विद्यार्थी साहित्यकारों के जीवन से प्रेरणा लेकर अपने जीवन मे प्रयोग कर कर पाएँगे।

IV

① विद्यार्थी कविता का मूल्यांकन कर पाएँगे।

सामान्य सहायक सामग्री

~~विशेष~~ सहायक सामग्री कविता लिखी हुई चार्ट।

पूर्वज्ञान परीक्षण

प्रस्तावित प्रश्न	संभावित उत्तर
① बच्चों क्या आपने किसी कविता को पढ़ा है?	हाँ
② किस कवि की कविता पढ़ी है?	सुभद्रा कुमारी चौहान' या अन्य कोई।
③ कोई कविता सुनाओ।	बच्चे कविता सुनाएँगे - सिंहासन हिल उठे ---- राजवंशो ने भृकुटी तानी थी बूढ़े भारत में आई फिर से नई जवानी थी -- खूब लड़ी मर्दानी वो तो झाँसी वाली रानी थी।
④ क्या आपने सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' की कोई कविता सुनी है?	समस्यात्मक प्रश्न।

उद्देश्यकथन :- आओ बच्चो आज हम सूर्य कान्त त्रिपाठी निराला जी के जीवन व उनकी कविता के विषय मे पढ़ेंगे।

प्रस्तुतीकरण

शि० बिन्दु	शि० विधि	छात्र अध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएं	~~[illegible]~~
1. "जीवनी सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला"	व्याख्या विधि	सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' हिन्दी काव्य क्षेत्र का एक निराली ही हस्ती थे। स्वच्छ व्यक्तित्व और स्वाभिमानी स्वभाव के धनी निराला जी का जन्म सन् 1897 ई० मे बंगाल के महिषादल राज्य के मेदीनुपार जिले मे हुआ आपके पिता प० रामसहाय त्रिपाठी मूलतः उ० प्रदेश के जिला उन्नाव के गढ़ाकोला गाँव के निवासी थे।		
संबंधित प्रश्न	प्रश्न-उत्तर विधि	(1) निराला जी का जन्म कब हुआ?	1897 मे	
माता-पिता की मृत्यु	व्याख्या विधि	निराला जी के पिता महिषादल राज्य में बंगाल में। कार्यरत थे। निराला जी के सिर से माता-पिता की स्नेह छाया शीघ्र ही उठ गया था।		

शिक्षण बिन्दु	शि० विधि	छात्र अध्यापिका क्रियाएँ	छात्रक्रियाएँ
पत्नी की अल्पायु में मृत्यु	व्याख्या विधि	उनका विवाह साहित्यिक कवि वाली मनोहर देवी से हुआ। पत्नी में निराला में साहित्यिक अभिरुचि जगाई किन्तु वह एक पुत्री और पुत्र के पालन-पोषण का भार निराला जी पर छोड़कर मात्र 22 वर्ष की अल्पायु में उनका चिर-विछुरता के अभिशाप से त्रस्त करके चली गई।	
अक्खड़ स्वभाव	व्याख्या विधि	निराला पत्नी की मृत्यु से इतने अवसाद हुए कि कलकत्ता छोड़कर लखनऊ चले गए। लखनऊ में कुछ समय तक 'गंगा पुस्तक, माला तथा सुधा' का सम्पादन किया। अक्खड़ स्वभाव ने उनको यहाँ भी नहीं टिकने दिया और वह इलाहाबाद जाकर रहने लगे।	
संबंधित प्रश्न	प्रश्न उत्तर विधि	निराला जी ने किस पुस्तक का सम्पादन किया?	उत्तर- गंगा, पुस्तक और सुधा

शि० बिंदु	शि० विधि	छात्र अध्यापिका क्रियाएँ	छात्र क्रियाएं
पुत्री की मृत्यु	व्याख्या विधि	उनकी विवाहित पुत्री सरोज का देहान्त हो गया। पुत्री के वियोग में व्यवस्थित निराला जी ने अपने मार्मिक उद्गार 'सरोज स्मृति' मे अंकित किए इन आघातो ने 'निराला' को अत्यन्त आत्मसीमित और कठोर बना दिया।	
साहित्य प्रदान	व्याख्या विधि	निराला जी का हिन्दी काव्य की एकाधिक प्रवृत्तियों के प्रयागराज थे। छायावादी परम्परा का सफल निर्वाह करते हुए। उन्होने प्रगतिशील विचारधाराओं को भी काव्य मे स्थान दिया। यदि प्रगतिवादी 'सूक्ष्म' के प्रति स्थूल का विद्रोह के पुरोधा थे। बंगाल की सांस्कृतिक और विद्रोही पृष्ठ भूमि के संस्कार 'निराला' मे होकर हिन्दी - कविता तक आये, रामकृष्ण परमहंस स्वामी विवेकानन्द तथा रविन्द्र ठाकुर से अत्यधिक प्रभावित थे।	

शि॰ बिंदु	शि॰ विधि	छात्र अध्यापिका क्रियाएँ
दलित वर्ग का ध्यान	व्याख्या विधि	"निराला" जी ने न केवल समाज के दलित उपेक्षित जन को अपनी रचनाओं का पात्र बनाया, अपितु वैचारिक धरातल पर भी आप विश्वव्यापी चेतनाओं से जुड़े। पूँजीवाद, शोषण और सामाजिक अन्याय के विरुद्ध उनकी वाणी बड़ी प्रखरता और दृढ़ता से व्यक्त हुई। "गुलाब" शीर्षक रचना प्रमाण है।
रचनाएँ	व्याख्या विधि	निराला जी ने कविता के अतिरिक्त उपन्यास, कहानी निबंध, आलोचना एवं संस्मरण आदि अनेक विधाओं को अपनी लेखनी का विषय बनाया है। प्रमुख रचनाएँ :— 1. परिमल 2. गीतिका 3. अनामिका 4. सरोज स्मृति 5. राम की शक्ति पूजा

शि० बिन्दु	शि० विधि	छात्र अध्यापिका क्रियाएँ
प्रश्न	प्रश्न उत्तर विधि	"निराला जी की किन्ही दो रचनाओं के नाम बताओ?
परिमल	व्याख्या विधि	इस काव्य में 'निराला' के स्वच्छन्दतावादी कला के संदर्भ में दर्शन होते है।
गीतिका	व्याख्या विधि	इस संग्रह मे कवि के व्यक्तित्व के कोमलता के दर्शन होते है।
नामिका	व्याख्या विधि	इसकी रचनाओं में कलात्मक अभिव्यक्ति की प्रधानता है।
सरोज स्मृति	व्याख्या विधि	यह निराला की प्रिय पुत्री सरोज की असमय मृत्यु पर रचा गया एक धार्मिक शोध गीत है।
राम द्वारा शक्ति पूजा	व्याख्या	यह रावण वध के निमित्त राम द्वारा की गई देवी की पूजा पर आधारित एक ओज और वीर रस प्रधान रचना है।
राम की शक्ति पूजा	प्रदर्शन व व्याख्या विधि	अपरा, अणिमा, कुकुरमा, बेला, अर्चना, नए पत्ते आराधना आदि।

मूल्यांकन

① सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' के पिता का नाम क्या था?

② इनका विवाह किसके साथ हुआ? और पत्नी की मृत्यु किस उम्र मे हुई।

③ निराला जी का जन्म कब और कहाँ हुआ था?

④ इन्होंने सरोज स्मृति की रचना क्यो की?

गृहकार्य

① निराला का जीवन परिचय लिखिए।

② परिमल रचना किस प्रकार की है?

OBSERVATION LESSONS

Observation Lesson No. 1

Date 13/2/15

Duration of the period 30 मिनट

Pupil Teacher's Name सौनिया

Pupil Teacher's Roll No. 1425

Class छठी

Average Age of the pupils 12

Subject हिन्दी शिक्षण

Topic विशेषण

① सहायक सामग्री का प्रयोग किया गया।

② आवाज़ स्पष्ट थी।

③ कक्षा नियंत्रित थी

④ गृह कार्य दिया गया।

Sign. of Pupil Teacher

Sign. of Supervisor

Observation Lesson No. 2

Date 14/2/15

Duration of the period 30 मिनट

Pupil Teacher's Name सौनिया

Pupil Teacher's Roll No. 1425

Class सातवीं

Average Age of the pupils 12

Subject हिन्दी शिक्षण

Topic सर्वनाम और उसके भेद

① आवाज प्रभावपूर्ण थी।

② कक्षा नियन्त्रित थी।

③ समय- समय पर प्रश्न पूछे गए।

④ गृहकार्य दिया गया।

Sign. of Pupil Teacher

Sign. of Supervisor

Observation Lesson No. 3

Date 16/2/15 | Duration of the period 30 मिनट

Pupil Teacher's Name सौनिया | Pupil Teacher's Roll No. 1425

Class सातवीं | Average Age of the pupils 12

Subject हिन्दी शिक्षण | Topic कारक और उसके भेद

1. पाठ्य प्रस्तुती अच्छी थी।
2. आवाज़ स्पष्ट थी।
3. कक्षा नियन्त्रित थी।
4. गृहकार्य दिया गया।

Sign. of Pupil Teacher | Sign. of Supervisor

Observation Lesson No. 4

Date 18/2/15 | Duration of the period 30 मिनट

Pupil Teacher's Name सौनिया | Pupil Teacher's Roll No. 1425

Class आठवीं | Average Age of the pupils 13+

Subject हिन्दी शिक्षण | Topic क्रिया व उसके भेद

1. सहायक सामग्री का प्रयोग किया गया।
2. आवाज स्पष्ट थी।
3. बच्चों पर ध्यान दिया गया।
4. गृहकार्य दिया गया।

Sign. of Pupil Teacher | Sign. of Supervisor

Observation Lesson No. 5

Date: 19/2/15
Duration of the period: 30 मिनट
Pupil Teacher's Name: सोनिया
Pupil Teacher's Roll No. 1425
Class: आठवीं
Average Age of the pupils: 13+
Subject: हिन्दी शिक्षण
Topic: वर्ण-व्यवस्था

① आवाज में स्पष्टता थी।

② सहायक सामग्री का प्रयोग किया गया।

③ कक्षा में अनुशासन था।

④ गृह कार्य दिया गया।

Sign. of Pupil Teacher

Sign. of Supervisor

Observation Lesson No. 6

Date: 21/2/15
Duration of the period: 30 मिनट
Pupil Teacher's Name: सोनिया
Pupil Teacher's Roll No. 1425
Class: सातवीं
Average Age of the pupils: 12
Subject: हिन्दी शिक्षण
Topic: काल और उसके भेद

① कक्षा अनुशासित थी।

② उदाहरणों द्वारा सुन्दर स्पष्टीकरण किया गया।

③ श्यामपट्ट पर सुन्दर लिखावट में स्पष्ट थी।

④ गृह कार्य दिया गया।

Sign. of Pupil Teacher

Sign. of Supervisor

Observation Lesson No. 7

Date: 22/2/15

Duration of the period: 30 मिनट

Pupil Teacher's Name: सोनिया

Pupil Teacher's Roll No. 1425

Class: छठी

Average Age of the pupils: 12+

Subject: हिन्दी शिक्षण

Topic: दशहरे पर निबंध

1. सहायक सामग्री का प्रयोग किया गया।
2. कक्षा अनुशासित थी।
3. आवाज मे स्पष्टता थी।
4. गृह-कार्य दिया गया।

Saroj.

Sign. of Pupil Teacher

Sign. of Supervisor

Observation Lesson No. 8

Date: 24/2/15

Duration of the period: 30 मिनट

Pupil Teacher's Name: सोनिया

Pupil Teacher's Roll No. 1425

Class: सातवी

Average Age of the pupils: 12+

Subject: हिन्दी शिक्षण

Topic: काल व उसके भेद

1. उदाहरणों का प्रयोग किया गया।
2. सहायक सामग्री का प्रयोग किया गया।
3. आवाज स्पष्ट थी।
4. गृहकार्य दिया गया।

Saroj.

Sign. of Pupil Teacher

Sign. of Supervisor

Observation Lesson No. 9

Date: 25/12/15 | Duration of the period: 30 मिनट

Pupil Teacher's Name: सौम्या | Pupil Teacher's Roll No. 1425

Class: सातवीं | Average Age of the pupils: 12+

Subject: हिन्दी शिक्षण | Topic: वाक्य

① सहायक सामग्री का प्रयोग किया गया।

② आवाज स्पष्ट थी।

③ कक्षा में अनुशासन था।

④ गृह कार्य दिया गया।

Sign. of Pupil Teacher

Sign. of Supervisor

Observation Lesson No. 10

Date: 26/12/15 | Duration of the period: 30 मिनट

Pupil Teacher's Name: सौम्या | Pupil Teacher's Roll No. 1425

Class: आठवीं | Average Age of the pupils: 13+

Subject: हिन्दी शिक्षण | Topic: व्याकरण संधि

① उदाहरणों का प्रयोग किया गया।

② कक्षा अनुशासित थी।

③ आवाज स्पष्ट थी।

④ गृह कार्य दिया गया।

Sign. of Pupil Teacher

Sign. of Supervisor

Observation Lesson No. 11

Date 27/2/15 | Duration of the period 30 m

Pupil Teacher's Name सोनिया | Pupil Teacher's Roll No. 1425

Class सातवीं | Average Age of the pupils 12+

Subject हिन्दी शिक्षण | Topic विराम चिह्न

(1) कक्षा अनुशासन में थी।

(2) सहायक सामग्री का प्रयोग किया गया।

(3) श्यामपट्ट पर सुन्दर लिखावट थी।

(4) गृह-कार्य दिया गया।

Sign. of Pupil Teacher | Sign. of Supervisor

Observation Lesson No. 12

Date 28/2/15 | Duration of the period 30 मिनट

Pupil Teacher's Name सोनिया | Pupil Teacher's Roll No. 1425

Class आठवीं | Average Age of the pupils 13+

Subject हिन्दी शिक्षण | Topic शब्द रचना

(1) कक्षा अनुशासित थी।

(2) छा० अध्यापिका की आवाज स्पष्ट थी।

(3) कक्षा-कक्ष वातावरण नाटकीय मंचन द्वारा प्रभावशाली था।

(4) गृह-कार्य दिया गया।

Sign. of Pupil Teacher | Sign. of Supervisor

SCHOOL REPORT

मेरा नाम सरोज लकवाड़ है।
हमें स्कूल टिचिंग प्रोग्राम के दौरान जिस विद्यालय में भेजा गया वह 25 कि०मी० की दूरी पर स्थित है।
इस विद्यालय में लगभग 25 कमरे हैं, जिसमें
क) । रिसेप्शन कक्ष
ख) । प्राधानाचार्य कक्ष
ग) । स्टाफ कक्ष
घ) । लंच कक्ष हैं।

इस स्कूल में प्रातः प्रार्थना होती है प्रार्थना में "आज का विचार" व 'समाचार' सुनाए जाते तदोपरान्त सभी विद्यार्थी अपनी-2 कक्षाओं में पंक्तिबंध होकर प्रस्थान करते हैं और इस प्रकार आरंभ होती है शिक्षण दिनचर्या।
विद्यालय के सभी शिक्षक व शिक्षिकाएँ अत्यंत मिलनसार व सहायक प्रवृति के हैं। सभी ने हमारा भरपूर सहयोग किया एंव शिक्षण के दौरान हमें सुझाव दे कर हमारे शिक्षण कौशल को उन्नत बनाने में सहायता की।
यहाँ के विद्यार्थी भी अत्यंत अनुशासित व व्यवहार कुशल हैं।
स्कूल की सुरक्षा की दृष्टि से व अनुशासन बनाए रखने के लिए पूरे स्कूल में कैमरे लगाए गए हैं।
विद्यालय का पूरा वातावरण शिक्षण प्रक्रिया के अनुकुल रहा।

अतः मैं यहाँ पढ़ाकर सन्तुष्ट व खुश हुं।